July 2023

SRMS Trust Bulletin

आयाम

SRMS IMS के दीक्षांत समारोह में मेधावी सम्मानित

- PAGE 04

- स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी से घबराये अंग्रेज – PAGE 03
- मेडिकल कॉलेज ने मनाया 22वां स्थापना दिवस – PAGE 08
- एसआरएमएस में रोबोटिक सर्जरी से हुआ नी रिप्लेसमेंट – PAGE 18
- गीत, संगीत, डांस और ड्रामा का मंच बना रिद्धिमा – PAGE 20
- ठीक नहीं है शरीर में सूजन की अनदेखी – PAGE 24
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'अन्तर्द्वन्द – PAGE 34

श्री राम मूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

- PAGE 13

SRMS

सिर्फ उम्मीद नहीं
उसे सच करते हैं हम !

शानदार
10 वर्ष
IVF
ट्रीटमेंट के

व्यक्तिगत देखभाल एवं उपचार

80% सफलता की दर

15000+ नये ओपीडी मरीज
6000+ इंर्फटिलिटी प्रोसीजर्स

समर्पित इंर्फटिलिटी विशेषज्ञ टीम
इन-हाउस इम्ब्रयोलॉजिस्ट
एनेस्थियोलॉजिस्ट
सलाहकार/ काउंसलर

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
13 किमी., बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली-243202 ▪ www.srms.ac.in

9458704000, 9458704444

उपलब्धियों के साथ 22वां स्थापना दिवस

एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 2002 में मेडिकल कालेज का जो पौधा रोपा था आज छायादार वृक्ष बन चुका है। 50 मरीजों की ओपीडी के साथ आरंभ होने वाले इस मेडिकल कालेज में आज 2200 से ज्यादा मरीज प्रतिदिन अपने इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। यह यहां मिलने वाले गुणवत्तापूर्ण, उच्चस्तरीय इलाज और भरोसे की बदौलत ही संभव हुआ है। चार जुलाई को इसने अपना 22वां स्थापना दिवस मनाया। जिसमें एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने इस उपलब्धि को अपनी टीम के नाम किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान की बढ़ती साख और विश्वास की बदौलत ही संभव हुआ है। जो यहां कार्यरत सभी लोगों की निष्ठा, मेहनत और लगन का परिणाम है। गुणवत्तापूर्ण और विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध कराने के लिए देवमूर्ति जी का चौंबर आफ कामर्स इंडस्ट्री की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया। पिछले महीने ही इस मेडिकल कालेज ने अपना 10वां दीक्षा समारोह भी मनाया। जिसमें मेडिकल और पैरामेडिकल के 216 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। इसके साथ ही 35 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ट्राफी के साथ सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। उपलब्धियों के लिए ट्रस्ट परिवार को शुभकामनाएं...

जय हिंद

अमृत कलश

'ईर्ष्या करने वाले, घृणा करने वाले, असंतोषी, क्रोधी, शक करने वाले और दूसरों के सहारे जीवन निर्वाह करने वाले मनुष्य हमेशा दुखी रहते है।। '

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Indu Dixit - Photographer
Dharmedra Kumar - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi - (Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

राममूर्ति जी के सफल आंदोलनों से घबरा गए थे अंग्रेज

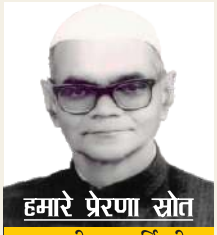

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

स्वतंत्रता सेनानी स्वगह्य श्रीराम मूर्ति जी अध्ययनशील और बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से बीए उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने उच्चशिक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। यहां राजनीति शास्त्र में एमए और फिर एलएलबी की परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। इसी दौरान उनका संपर्क चंद्रभानु गुप्ता जी से हुआ। चंद्रभानु जी लखनऊ विवि में छात्रसंघ अध्यक्ष थे। राम मूर्ति जी से प्रभावित चंद्रभानु जी उनके परम मित्र बन गए। मित्रता धर्म को निभाने के लिए राम मूर्ति जी ने छात्र राजनीति में भी हिस्सा लेना शुरू किया। उनकी पहचान कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में बनने लगी। अपनी कर्मस्थली बरेली में राम मूर्ति जी के घनिष्ठ मित्र सेठ दामोदरस्वरूप जी बने। उन्हीं के अनुरोध पर राम मूर्ति जी ने बरेली में जिला कांग्रेस महामंत्री का पद स्वीकार किया। इस पद पर वह 1937 से 1941 तक रहे। इस दौरान उन्होंने देश की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लगातार संघर्ष किया और अपने नेतृत्व से कांग्रेस पाटह्र को भी दिशा दी। राममूर्ति जी के सफल आंदोलनों से अंग्रेजों में बेचौनी थी। ब्रिटिश सरकार ने राम मूर्ति जी को गिरफ्तार करने की योजना बनाई जिसकी जानकारी राम मूर्ति जी तक भी पहुंची। लेकिन उन्होंने बिना घबराए अंग्रेजों की इस चुनौती को स्वीकार की और अपने साथियों के साथ सात जनवरी 1941 को हाथी पर बैठ कर बेहरपुरा में गिरफ्तारी दी। इससे अंग्रेजो को सुकून मिला।

कांग्रेस नेताओं के साथ जनसभा को संबोधित करने जाते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (बायें से दूसरे) (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

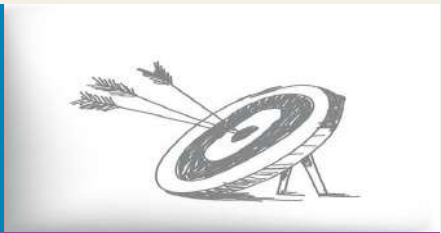

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

बरेली में मेडिकल और पैरामेडिकल कॉलेज का 10वां दीक्षा समारोह

डा.सारा और डा.सिद्धार्थ को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल

मेडिकल के पीजी, यूजी सहित पैरामेडिकल के 216 विद्यार्थियों को दी गई डिग्रियां

पदक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के साथ अतिथिगण

- मेडिकल और पैरामेडिकल के प्रतिभावान 35 विद्यार्थियों ने हासिल किए सर्टिफिकेट
- ओवरआल टापर सात विद्यार्थियों को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल और नकद पुरस्कार
- मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल (डा.) बिपिन पुरी ने मानव सेवा के लिए किया प्रेरित
- कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल (डा.) नरेंद्र कोतवाल ने दी प्रोफेशन में ईमानदारी की शिक्षा
- एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने दिया मेहनत से मंजिल मिलने का मंत्र

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज और एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज का 10वां दीक्षा समारोह पहली जुलाई को आयोजित हुआ। इसमें 216 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले मेडिकल और पैरामेडिकल के 35 विद्यार्थियों को भी इस मौके पर ट्राफी के साथ सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इनमें मेडिकल में पीजी की डा.सारा रिजवी और एमबीबीएस में डा.सिद्धार्थ तनेजा को अपने-अपने बैच में रुहेलखंड विश्वविद्यालय में ओवरआल टापर होने पर श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल और 51 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने की, जबकि दीक्षांत संबोधन लखनऊ स्थित किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल (डा.) बिपिन पुरी ने दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित पूना स्थित आर्म्ड फोर्स मेडिकल कालेज के निदेशक व कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल (डा.) नरेंद्र कोतवाल ने विद्यार्थियों को अपने प्रोफेशन के दौरान ईमानदारी बरतने का संदेश दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन देवमूर्ति जी ने विद्यार्थियों को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी मंजिल मेहनत से हासिल की जा सकती है। ऐसे में अपने सपने साकार करने के लिए पर्याप्त परिश्रम जरूरी है। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के शतिक प्रेक्षागृह में दीक्षांत समारोह पूर्वाह्न साढ़े दस बजे आरंभ हुआ। सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के बाद संस्था के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने अतिथियों, विद्यार्थियों के अभिभावकों और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन सपनों को साकार होते देखने का दिन है। बच्चों को डाक्टर बनते देखना और खुद को डाक्टर

दीक्षा शपथ

स्मृति चिह्न

लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. विपिन पुरी

प्रो. के.पी. सिंह

लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. नरेन्द्र कोतवाल

पैरामेडिकल स्टूडेंट्स

उपस्थित अतिथि

दीक्षा: आदेश एवं उपदेश

सत्य बोलो।
धर्म का आचरण करों
स्वाध्याय से प्रमाद मत करो
माता को देवता मानो
पिता को देवता मानो
आचार्य को देवता मानो
अतिथि को देवता मानो
जो हमारे अच्छे आचरण हैं, वे ही तुम्हारे द्वारा ग्रहणीय है, अन्य नहीं
यही आदेश है, यही उपदेश है।, यही अनुशासन है
तुम्हारा पथ मंगलमय हो

मेडिकल स्टूडेंट्स

मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल द्धसेवानिवृत्तऋ डा.एमएस बुटोला और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने किया। उन्होंने 21 वर्ष की उपलब्धियों का जिक्र किया और इसका श्रेय ट्रस्ट संस्थापक देवमूर्ति जी के विजन को दिया। अंत में उपस्थित सभी का आभार डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.सीएम चतुर्वेदी ने जताया और धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. सुरभि चंद्रा ने किया। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, ;चा मूर्ति जी, अंबिका मूर्ति जी, सुभाष मेहरा, डा.निर्मल यादव, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स सीईटी डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्य, आईपीएस की प्रिंसिपल डा. जसप्रीत कौर, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, चीफ मैट्रन लेफ्टिनेट कर्नल (सेवानिवृत) एलियम्मा वीजी और स्टाफ मौजूद रहा।

OVERALL TOPPERS

डॉ. सिद्धार्थ तनेजा

Overall Toppers

Dr. Sara Rizvi - MS Ophthalmology - Shri Ram Murti Gold Medal and cash prize of Rs 51,000/- for securing the Highest marks PG(MD/MS) Pass out Batch 2019-2022.

Dr. Siddharth Taneja - Shri Ram Murti Gold Medal and cash prize of Rs 51,000/- for securing the Highest marks in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

Dr. Anushka Arora - Shri Ram Murti Silver Medal for securing the Second Highest marks in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

Dr. Anubha Kandpal - Shri Ram Murti Bronze Medal for securing the Third Highest marks in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

Medal and Certificate of Honours for PG (MD/MS) student:

Dr. Disha Satya - MD General Medicine- Shri Girish Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MD -General Medicine in Postgraduate Pass out batch 2019-2022.

Dr. Singh Durga Surendra - MS Obstetrics & Gynaecology- Mrs. Dwarka Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MS-Obstetrics & Gynaecology in Postgraduate Pass out batch 2019-2022.

Dr. Akansha Bajwa - MD Paediatrics- Shri Ragubir Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MD-Paediatrics in Postgraduate Pass out batch 2019-2022.

Dr. Mayank Tandon - MS General Surgery- Shri Raghunath Prasad Gold Medal for securing Highest Marks in MS-General Surgery in Postgraduate Pass out batch 2019-2022.

Subject wise Toppers: MBBS

Dr. Jyotika - Smt. Ram Devi Yadav Gold Medal for securing Highest Attendance in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

Dr. Anushka Arora - Dr. O.N. Vyas Gold Medal and Rs.5,000/- Cash Prize for securing Highest Marks in General Surgery (Orthopaedics) in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

- Dr. V.K. Trehan Gold Medal and Rs. 5000/- Cash Prize for securing Highest Marks in Otorhinolaryngology in MBBS Pass out batch 2017-2022.
- Er. Subhash Mehra Gold Medal for the Best All Rounder in MBBS Passout batch 2017-2022.
- Honours in Anatomy, Physiology, Pathology, Microbiology, Pharmacology, Ophthalmology, Otorhinolaryngology and Community Medicine.

Dr. Anubha Kandpal - Dr. Nirmal Yadav Gold Medal and Rs. 5000/- Cash Prize for securing Highest Marks in General Medicine in MBBS Pass out Batch 2017-2022.

- Honours in Anatomy, Physiology, Pathology, Ophthalmology, Otorhinolaryngology and Community Medicine.

Dr. Siddharth Taneja - Honours in Physiology, Biochemistry, Pathology, Pharmacology and Ophthalmology.

Dr. Ankita Agarwal - Honours in Anatomy, Physiology and Microbiology.

Dr. Astha Kanodia - Honours in Anatomy, Physiology and Community Medicine.

Dr. Shristi Visen - Honours in Physiology, Pharmacology and Ophthalmology

Dr. Harshita Mishra - Honours in Anatomy and Physiology

डॉ. अनुभा कांडपाल

Special Recognition

Dr. Sanskar Tyagi - MBBS Batch 2017 - Outstanding performance in Sports Activities (Represented 2 times at National Level & All India University Games).

डॉ. सचिन त्यागी

Dr. Khushbu Pandey - Honours in Pathology and Pharmacology

Dr. Amanpreet Kaur - Honours in Anatomy

Dr. Bhavini Rai - Honours in Pathology

Dr. Bhavya - Honours in Pathology

Dr. Divya Singh - Honours in Pathology

Dr. Kritika Chhabra - Honours in Pathology

Dr. Manika Sharma - Honours in Physiology

Dr. Manvika Tiwari - Honours in Physiology

Dr. Niharika Gulati - Honours in Pathology

Dr. Nikhita Dwivedi - Honours in Pathology

Dr. Ritu Goel - Honours in Pharmacology

Dr. Vaishnavi Jaiswal - Honours in Microbiology

Dr. Vasundhara Trapasia - Honours in Physiology

Dr. Paras Kapoor - Honours in Ophthalmology

Dr. Rohan Aggarwal - Honours in Physiology

Dr. Vishal Anand - Honours in Physiology

SRMS Institute of Para Medical Sciences (2018-2022)

Mr. Junaid Raza - Bachelor of Sciences MLT- Shri Ram Murti Silver Medal for securing the Second Highest marks (78.27%) in the Pass out Batch 2018-2022.

SRMS Institute of Para Medical Sciences (2018-2022)

Mohd. Ayaz - B. OTT - Certificate of Appreciation for outstanding performance in Academics.

अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेले एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के नरेन

बरेली: एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी में प्रशिक्षण लेने वाले नरेन भट्ट ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और खिताब जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाइनल मैच में नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले नरेन मैन आफ द मैच बने। इस उपलब्धि के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देव मूर्ति जी और एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के संचालक आदित्य मूर्ति जी ने इस उपलब्धि के लिए नरेन को बधाई दी। आदित्य जी ने कहा कि नेपाल सुदूर पश्चिम प्रदेश के जिला बैतादी निवासी जयराम भट्ट ने पिछले वर्ष अपने छोटे भाई नरेन का एडमीशन एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी में कराया था। बचपन से ही नरेन की क्रिकेट में रुचि थी। नरेन ने यहां क्रिकेट के गुर सीखे और अपनी प्रतिभा से सभी को आकर्षित किया। करीब छह महीने यहां ट्रेनिंग लेने के बाद नरेन नेपाल स्थित अपने घर लौट गया। दो महीने पहले एसीसी अंडर- 16 ईस्ट जोन कप के लिए उसका सिलेक्शन हुआ। 26 जून से 4 जुलाई तक मलेशिया में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, हांगकांग, मालदीव, इंडोनेशिया जैसे देशों की अंडर- 16 टीमों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में 28 जून को नेपाल का पहला मुकाबला थाईलैंड से हुआ। इसमें नरेन ने अविजित 55 रन की पारी खेली। 30 जून को मलेशिया के खिलाफ नरेन ने महत्वपूर्ण 29 रन बनाए। दोनों नाकआउट मुकाबला जीत कर दो जुलाई को नेपाल और सिंगापुर के बीच सेमीफाइनल मैच खेला गया। इसमें नरेन ने तीन रन बनाने के साथ घातक गेंदबाजी की। उसने सात ओवर गेंदबाजी की। जिसमें तीन ओवर मेडन फेंके और सिर्फ चार रन खर्च कर एक विकेट भी हासिल किया। चार जुलाई को फाइनल में नेपाल और मेजबान मलेशिया की टीमें आमने सामने थी। इसमें नरेन ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए 112 रन बनाए। जिसकी बदौलत नेपाल ने टूर्नामेंट का खिताब हासिल किया। नरेन मैन आफ द मैच रहे।

मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी के साथ नरेन

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी का नागरिक अभिनंदन

नागरिक अभिनंदन

संभ्रांत नागरिक सम्मान

सेंट्रल यूपी चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्री सोसायटी की ओर से देश में बरेली का नाम रौशन करने वाली बरेली की दो शख्सियतों को सम्मानित किया गया। 22 जून को आयोजित इस समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देव मूर्ति जी का नागरिक अभिनंदन किया गया। सेंट्रल यूपी चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्री सोसायटी के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महापौर डा.उमेश गौतम, घनश्याम खंडेलवाल और राजेन विद्याथह्न ने देव मूर्ति को अंगवस्त्र ओढ़ाया और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर अनुपम कपूर, राजकुमार अग्रवाल, मोहित आनंद, गौरव मित्तल, अंकुर अग्रवाल और शहर के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दूसरी तरफ 24 जून को नगर निगम की ओर से पहली बार बरेली नगर स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें बरेली का नाम देश में रोशन करने वाली शहर की शख्सियतों का नागरिक अभिनंदन किया गया। इसमें भी एसआरएमएस ट्रस्ट् के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी को संभ्रांत नागरिक सम्मान प्रदान किया गया। आईएमए हाल में आयोजित सम्मान समारोह में यह सम्मान महापौर डा.उमेश गौतम ने प्रदान किया। चेयरमैन देव मूर्ति जी की अनुपस्थिति में उनके स्थान पर यह सम्मान एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने स्वीकार किया। महापौर ने आदित्य जी को सम्मान स्वरूप अंगवस्त्र ओढ़ाया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर शहर के गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के 22वें स्थापना दिवस पर देव मूर्ति जी का संदेश

50 लोगों की ओपीडी 22 सौ से ज्यादा पहुंचीं

हैप्पी बर्थडे: केक काटकर दी बधाई...

- पदोन्नति के साथ 10 चिकित्सकों को दिया गया प्रमोशन लैटर
- हास्पिटल के 12 चिकित्सकों को भी विशेष दिया गया प्रशंसा पत्र

श्रद्धा सुमन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने चार जुलाई को अपना 22वां स्थापना दिवस मनाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी और बेहतर काम करने वाले डाक्टरों को प्रशंसापत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वर्षों पहले रखी सपने की आधारशिला को आज 22 वर्ष हो गए। चार जुलाई वर्ष 2002 में 50 लोगों की ओपीडी से आरंभ हुए इस हास्पिटल में आज 2200 से ज्यादा मरीज देखे जा रहे हैं। यह किसी एक की वजह से नहीं, बल्कि पूरी टीम की बदौलत है। यह काम के प्रति आपकी निष्ठा, मेहनत और लगन का परिणाम है। इसी से संस्थान की साख बढ़ी और लोगों का विश्वास हासिल हुआ। तभी आज बरेली क्षेत्र के मरीजों के साथ ही कुमायूं, नेपाल, खीरी, हाथरस तक से मरीज यहां इलाज करने आ रहे हैं। स्थापना दिवस समारोह में देव मूर्ति जी ने दस चिकित्सकों के पदोन्नति की घोषणा की और उन्हें प्रमोशन लैटर प्रदान किए। पिछले एक वर्ष में राज्यस्तरीय और राष्ट्रीय कांफ्रेंस के आयोजन के लिए पांच विभागों को प्रशंसा पत्र मिले। पिछले एक वर्ष में सर्वोत्तम काम करने के लिए भी पांच विभागों की टीमों को गिफ्ट के साथ सर्टिफिकेट दिया गया। यूनिट स्तर पर सर्वश्रेष्ठ काम के लिए कार्डियोलाजी विभाग को चुना गया और इसके लिए डा.अमरेश कुमार और उनकी टीम को गिफ्ट के साथ प्रशंसापत्र दिया गया। विशेष उपलब्धियों के लिए मेडिकल कालेज के 12 चिकित्सकों को भी विशेष प्रशंसापत्र दिया गया। वार्ड मैनेजमेंट के लिए भी तीन चिकित्सकों को प्रशंसापत्र मिला।

स्थापना दिवस समारोह मेडिकल कालेज स्थित आडिटोरियम में 4 जुलाई को हुआ। समारोह से पहले देव मूर्ति जी ने अपने पिता और संस्थान के प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर हवन पूजन किया। इस मौके पर विद्यार्थियों के कनेक्सस क्लब ने भी केक काटा और चेयरमैन देव मूर्ति को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। समारोह में देव मूर्ति जी ने कहा कि पिता स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी की प्रेरणा से एसआरएमएस ट्रस्ट स्थापित करने के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेज बनाने का संकल्प लिया। आज उनके आशीर्वाद से मेडिकल कालेज को स्थापित हुए 21 वर्ष हो गए। इन वर्षों में हम सबने मिल कर काम किया। अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से बरेली में ही विश्वस्तरीय इलाज, वाजिब कीमतों पर उपलब्ध कराया।

शुभकामनाएं

लोगों का भरोसा हासिल किया। यही भरोसा आज ट्रस्ट की पूंजी है। सभी अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त इस हास्पिटल में हम आने वाले महीनों में रोबोटिक सर्जरी शुरू कर देंगे। मरीजों के उपचार के लिए हम अपना प्रयास करना नहीं छोड़ेंगे। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने संस्थान में सेवारत डाक्टर और अन्य स्टाफ सहित सभी को 22वें स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने सेवा, सफाई, सुरक्षा और सहयोग का मंत्र देते हुए मरीजों और तीमारदारों के प्रति मधुर और सरल व्यवहार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित पत्रिका इंडिया टुडे ने देश भर के सभी सात सौ से ज्यादा मेडिकल कालेजों की रैंकिंग में हमें 38वां स्थान दिया है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हम देश के टाप 10 मेडिकल कालेजों में स्थान बनाएंगे। 21 वर्ष में हमने एक दूसरे के विश्वास के साथ समाज का भी भरोसा हासिल किया है। इसी वजह से मरीज हमारे यहां इलाज के लिए आता है और विद्यार्थी पढ़ने के लिए। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। स्थापना दिवस समारोह में सभी का स्वागत मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह ने किया। उन्होंने 21 वर्ष की उपलब्धियों का जिक्र किया और इसका श्रेय ट्रस्ट संस्थापक देवमूर्ति जी के विजन को दिया। अंत में उपस्थित सभी का आभार डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.सीएम चतुर्वेदी ने जताया और धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. सुरभि चंद्रा ने किया। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, ऋचा मूर्ति जी, अंबिका मूर्ति जी, सुभाष मेहरा, डा.निर्मल यादव, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा. अनुज कुमार, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्य, आईपीएस की प्रिंसिपल डा. जसप्रीत कौर, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, चीफ मैट्रन लेफ्टिनेट कर्नल (सेवानिवृत) एलियम्मा वीजी और स्टाफ मौजूद रहा।

हवन

स्थापना दिवस पर उपस्थित अतिथि और फैकल्टी सदस्य

APPRECIATION

Certificate of appreciation for organizing Conference in the year 2022-2023

IH Blood Transfusion

Respiratory Medicine & Critical Care

General Medicine

Radiation Oncology

Pathology

Recognition of Departments

General Surgery

Orthopaedics

General Medicine

Neurology

Neuro Surgery

Honors to Ward Manager

Dr. Yateesh

Dr. Shalu Jain

Dr. Ashish Maheshwari

APPRECIATION

Recognition of Unit

Cardiology

ICMR-STS 2022 Project

Ms Rupali Gupta

Special Achievers

Dr. Lalit Singh

Dr. Jaswinder Singh

Dr. Sandhya Chauhan

Dr. Surbhi Chandra

Dr. M. P. Rawal

Dr. Anil Negi

Dr. Manoj Gupta

Dr. Kranthi Kumar

Dr. Deepak Das

Dr. Abhinav Pandey

Dr. Dhruv Goel

Dr. Namrata Singh

शुभकामनाएं

सुरक्षा कर्मी

स्थापना दिवस पर मेडिकल कालेज में स्वास्थ्य मेला का आयोजन

उद्घाटन

बरेली: 21वें स्थापना दिवस के मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में छह दिवसीय स्वास्थ्य मेला आरंभ हुआ। तीन जुलाई को इसका उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने रिबन काट कर किया। स्वास्थ्य मेला के दौरान निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। बुजुर्गों में होने वाले रोगों का उनके व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन पर प्रभाव विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में शाहजहांपुर की आकृति आर्य ने पहला स्थान हासिल किया। उन्हें पांच हजार रुपये का नकद इनाम दिया गया। दूसरे स्थान पर बरेली निवासी पुष्पा राठौर और तीसरे स्थान पर हल्द्वानी की बीना जोशी रहीं। इन्हें क्रमशः तीन हजार और दो हजार रुपये नकद प्रदान किए गए। स्वास्थ्य कैंप में में निशुल्क रजिस्ट्रेशन के साथ सभी बुजुर्गों को परामर्श निशुल्क भी दिया गया। साथ ही शुगर, हीमोग्लोबिन, क्रिटिनिन, ईसीजी, एक्स- रे (चेस्ट), हड्डियों की जांच (बीएमडी), श्रवण शक्ति की जांच (आडियोमैट्री), पैप स्मियर, आंखों की जांच, मोतियाबिंद एवं ग्लूकोमा की स्क्रीनिंग भी निशुल्क की गई। अन्य जांचों पर भी 25 फीसद की छूट मिली। छह दिन तक चले स्वास्थ्य मेला का बड़ी तादात में बुजुर्गों ने लाभ उठाया। इस मौके पर कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डा. स्मिता गुप्ता, डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डा.शशिबाला आर्य, डा.मृदु सिन्हा, अन्य संबंधित विभागों के चिकित्सक और स्टाफ मौजूद रहा।

हवन कर मनाया गुडलाइफ हास्पिटल का छठा स्थापना दिवस

हवन

बरेली: एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल ने 19 जुलाई 23 को अपना छठा स्थापना दिवस मनाया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी ने स्टाफ के साथ विधि विधान से हवन किया और सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। आदित्य जी ने कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने होम अवे फ्राम होम कांसेप्ट से 19 जुलाई वर्ष 2018 में गुडलाइफ हास्पिटल स्थापित किया। अपने डाक्टर और स्टाफ की मेहनत से गुडलाइफ हास्पिटल ने पांच वर्षों में खास मुकाम बनाया है। लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और दर्दरहित जीरो तकनीकी से घुटना प्रत्यारोपण कर गुडलाइफ हास्पिटल में सर्जरी के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। छठे स्थापना दिवस पर गुडलाइफ में 19 से 22 जुलाई तक नैफ्रोलाजी एवं मेडिसिन हैल्थ कैंप लगाया गया। इसमें नैफ्रोलाजी, मेडिसिन विशेषज्ञों के साथ फिजियोथैरेपिस्ट और डायटीशियन का परामर्श निशुल्क दिया गया। कैंप में सिरम क्रिटिनिन, सिरम यूरिया, सोडियम, पोटेशियम, कैल्शियम, यूरिक एसिड, यूरिन आर/एम, ईसीजी, हीमोग्लोबिन, टीएलसी, डीएलसी, ब्लड शुगर, एचए1सी की जांच निशुल्क की गई। ओपीडी में चिकित्सक द्वारा लिखी अन्य जांचों पर भी 25 फीसद की छूट दी गई। कैंप के दौरान मरीजों की पहली डायलिसिस भी निशुल्क हुई। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (डा.) एमएस बुटोला, डा.पियूष कुमार, डा.एमपी रावल, डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.रुचिका गोयल, डा.आयुष गर्ग, डा.अमित सक्सेना, डा.मालिनी कुलश्रेष्ठ, डा.वागीश वैश्य, डा.सुषमा रतूड़ी, डा.हिमांशु वर्मा, डा.कमल नयन गंगेय, डा.आकृति बैजल, डा.आशीष चौहान और स्टाफ के लोग मौजूद रहे।

श्रीराममूर्ति मैमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट

आर्मी मस्टैलियन को हराकर एसआरएमएस चैंपियन

टूर्नामेंट की विजेता एसआरएमएस टीम को ट्राफी के साथ मिला 31 हजार रुपये का इनाम

विजेता एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की टीम के साथ ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति व अतिथि गण

- आर्मी मस्टैलियन की टीम को रनरअप ट्राफी के साथ 21 हजार रुपये का कैश प्राइज
- हर्ष राणा को मैन आफ द टूर्नामेंट ट्राफी के साथ दिया गया 2500 रुपये का इनाम
- टूर्नामेंट में मैन आफ द मैच रहने वाले खिलाड़ियों को मिला पांच सौ रुपये का इनाम

बरेली: एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी ने सात अप्रैल को आर्मी मस्टैलियन को सात विकेट से हराकर श्रीराममूर्ति मैमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब हासिल किया। टीम को चौंपियन ट्राफी के साथ 31 हजार रुपये का इनाम इनाम भी मिला। टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एसआरएमएस एकेडमी के हर्ष राणा मैन आफ टूर्नामेंट रहे। उन्होंने इसके लिए ट्राफी के साथ 25 सौ रुपये नकद इनाम भी हासिल किया। फाइनल में पराजित आर्मी मस्टैलियन को रनर अप ट्राफी के साथ 21 हजार रुपये का इनाम मिला। टूर्नामेंट के सभी लीग मैचों में मैन आफ द मैच रहने वाले खिलाड़ियों को पांच सौ रुपये का इनाम दिया गया।

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज स्थित श्रीराममूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 30 मार्च से 7 अप्रैल के बीच श्रीराममूर्ति मैमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट खेला गया। अपने अपने लीग मुकाबलों में जीत हासिल करने के बाद एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और आर्मी मस्टैलियन की टीमें इसके फाइनल में पहुंचीं। 7 अप्रैल को हुए फाइनल में आर्मी मस्टैलियन ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम के ओपनर सोनू अधिकारी और कृष्णा यादव ने इस फैसले को सही साबित करने की कोशिश की और पहले विकेट के लिए मात्र 7.1 ओवर में 56 रन का स्कोर खड़ा कर लिया। लेकिन गेंदबाज शुभम शर्मा ने अपने एक ही ओवर में सोनू अधिकारी का विकेट हासिल कर आर्मी मस्टैलियन की ओपनिंग को तोड़ा और कृष्णा यादव को बोल्ड कर डबल झटका दिया। धीरेंद्र यादव ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उनके आउट होने के बाद आर्मी मस्टैलियन की टीम पूरी तरह बिखर गई। इसके सारे खिलाड़ी

हर्ष राणा को मैन ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी प्रदान करते बीसीए के सचिव सीताराम

18.5 ओवर में 110 रन बना कर पैवेलियन लौट गए। एसआरएमएस की ओर से शुभम मिश्रा ने 3, हृदेश, अर्पित यादव और हर्ष राणा ने 2-2 विकेट लिए। नितेश ने एक विकेट हासिल किया। जीत के लिए 111 रन का पीछा करने उतरी एसआरएमएस की टीम को पहली ही गेंद पर जीवनदान मिला। ओपनर यूसुफ ने धीरेंद्र की पहली गेंद को उठाकर मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे फील्डर के हाथ पहुंची। स्टेडियम में मायूसी छा गई, लेकिन गेंद हाथ में आने के बजाय फिसल गई और इसी के साथ मैच भी आर्मी मस्टैलियन की हाथ से फिसल गया। जीवनदान मिलने के बाद एसआरएमएस की ओपनर बल्लेबाजों ने संभल कर खेलना शुरू किया। लेकिन यूसुफ ने तेज खेलने के चक्कर में माधव की गेंद पर शिवांश शर्मा को कैच दे दिया। यूसुफ ने एक छक्के और दो चौंकों की मदद से 19 रन पर 20 रन की आकर्षक पारी खेली। हर्ष राणा ने एक छक्के और तीन चौकों की मदद से 35 रन पर 35 रन बनाए। कप्तान अनंत भटनागर ने (31 रन, 30 गेंद), नितेश (11 रन, 13 गेंद) और आनंद यादव ने (13 रन, 7 गेंद) की आकर्षक पारी खेली और एसआरएमएस को 17.1 ओवर में जीत दिलाने में योगदान दिया। आल राउंड खेल की वजह से एसआरएमएस के हर्ष राणा को मैन आफ द मैच चुना गया। हर्ष ने 35 रन बनाने के साथ दो विकेट भी हासिल किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सीडीओ जग प्रवेश मौजूद रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय भी प्राप्त किया और मैच देखा। उनके साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव व बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना, अध्यक्ष सरफराज वली खां, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.एमएस बुटोला, डा.अनुज कुमार, डा.एलएस मौर्य, डा.रिंटू चतुर्वेदी, पीएनबी के चीफ मैनेजर संजय चौधरी, मैनेजर पुनीत टंडन, कोच मनीष सिंह, कोच नितिन सक्सेना, शंकरपाल सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

टूर्नामेंट पर एक नजर

एसआरएमएस एकेडमी के नाम रहा टूर्नामेंट के अपने तीनों लीग मैच और फाइनल जीतने का रिकार्ड
तीनों लीग मैच जीतने और 3.803 रनरेट के साथ ग्रुप ए से एसआरएमएस एकेडमी फाइलन में पहुंची
दो मैच जीत कर और ग्रुप बी में सबसे ज्यादा 1.767 रनरेट होने के साथ आर्मी मस्टैलियन फाइनल
लीग मैच में सबसे ज्यादा रन 195 आईके कलेक्शंस ने तीन विकेट के नुकसान पर बनाए
लीग मैच में सबसे ज्यादा 178 का स्कोर बनाया एसआरएमएस ने, साथ ही गंगाशील 96 रन से हराया
लीग मैच में आमह्न मस्टेलियंस ने अल्मा मातेर को 144 रन के बड़े अंतर से पराजित किया
एसआरएमएस ने 7.3 ओवर में हासिल किया लक्ष्य, 22 यादर्स एकेडमी को दस विकेट से हराया
लीग मैच में आईके कलेक्शंस ने अल्मा मातेर को सबसे बड़े 107 रन के अंतर से पराजित किया

टूर्नामेंट में मैन आफ द मैच

विपिन कुमार (ओएसिस क्रिकेट क्लब) - गंगाशील क्रिकेट एकेडमी और ओएसिस क्रिकेट क्लब
ऋषि सागर, 68 रन/47 गेंद (अल्मा मातेर) - अल्मा मातेर क्रिकेट एकेडमी और एयरफोर्स
रिजवान 63 रन/37 गेंद (22 यादर्स)- 22 यादर्स और गंगाशील क्रिकेट एकेडमी
हर्ष राणा 74 रन/53 गेंद और 2 विकेट (एसआरएमएस)- एसआरएमएस एकेडमी ने गंगाशील
आकाश 75 रन/52 गेंद (आईके कलेक्शंस) - आईके कलेक्शंस और अल्मा मातेर
रिजवान 65 रन/49 गेंद (22 यादर्स) - 22 यादर्स और ओएसिस टाउन क्लब
धीरेंद्र यादव 24 रन/12 गेंद और तीन विकेट (आर्मी मस्टेलियंस)- आर्मी मस्टेलियंस और एयरफोर्स
शुभम मिश्रा तीन विकेट (एसआरएमएस) -एसआरएमएस और ओएसिस टाउन एकेडमी
शिवांश शर्मा 14 रन/3 विकेट (आर्मी मस्टेलियंस) - आर्मी मस्टेलियंस और अल्मा मातेर
हर्ष राणा 31 रन/20 गेंद और दो विकेट (एसआरएमएस) - एसआरएमएस और 22 यादर्स क्रिकेट एकेडमी
पारस राज 69 रन/45 गेंद (आईके कलेक्शन) - आईके कलेक्शन बरेली और आर्मी मस्टेलियंस

फाइनल में पहुंची दोनों टीमों के साथ सीडीओ जग प्रवेश
सीडीओ को स्मृति चिह्न देते आदित्य मूर्ति जी
रनर अप ट्रॉफी के साथ आर्मी मस्टैलियन की टीम

चतुर्थ श्रीराम मूर्ति मैमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन

रोमांचक मुकाबले में विद्या भवन तीसरी बार चैंपियन

विजेता विद्या भवन टीम के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति व अतिथि गण

- टूर्नामेंट में 101 रन बनाने वाले लक्ष्य शर्मा बेस्ट बैट्समैन बने
- दस विकेट लेने वाले सिद्धार्थ पाल को चुना गया बेस्ट बालर
- फाइनल मुकाबले में सिद्धार्थ पाल मैन आफ द मैच घोषित

बेस्ट बॉलर सिद्धार्थ पाल को स्मृति चिह्न देते देव मूर्ति जी

बरेली: विद्याभवन पब्लिक स्कूल ने तीसरी बार श्रीराम मूर्ति मैमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अंतिम गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में विद्याभवन ने मिशन एकेडमी पर चार विकेट से जीत हासिल की। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन व संस्थापक देवमूर्ति जी, एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी व बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना, विद्याभवन पब्लिक स्कूल के चेयरमैन रवि प्रकाश अग्रवाल ने विजेता टीम के साथ रनरअप टीम को ट्राफी प्रदान की। टूर्नामेंट में 101 रन बनाने वाले लक्ष्य शर्मा बेस्ट बैट्समैन बने और दस विकेट लेने वाले सिद्धार्थ पाल को बेस्ट बालर चुना गया। फाइनल मुकाबले में भी सिद्धार्थ पाल को मैन आफ द मैच घोषित किया गया।

एसआरएमएस ट्रस्ट पिछले पांच वर्ष से श्रीराम मूर्ति मैमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजित करता आ रहा है। 2020 में कोविड महामारी में इसका आयोजन नहीं हुआ। इस बार चतुर्थ श्रीराम मूर्ति मैमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट अप्रैल माह में आयोजित हुआ। इसमें 17 स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। इस टी-20 टूर्नामेंट के सभी मैच नाकआउट आधार पर हुए। 25 अप्रैल को फाइनल मुकाबले में टास जीत कर मिशन एकेडमी ने बल्लेबाजी का फैसला किया। ओपनर गोपाल कुमार और अदनान ने मिशन एकेडमी को अच्छी शुरुआत दी। लेकिन छठे ओवर में अदनान रन आउट हुए तो सिद्धार्थ पाल ने गोपाल को बोल्ड किया। मुहम्मद आरिश के रूप में मिशन का तीसरा विकेट 11वें ओवर में गिरा, तब टीम का स्कोर 48 रन था। इसके बाद विपिन मौर्या ने तेजी से खेले हुए अपनी टीम को 113 रन पर पहुंचाया। मिशन एकेडमी से मिली 113 रन बनाने की चुनौती के जवाब में विद्याभवन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके ओपनर लक्ष्य शर्मा चौथे ओवर में 4 रन के निजी स्कोर पर कैच आउट हो गए। सौरभ और कप्तान सिद्धार्थ पाल ने स्कोर को 7.4 ओवर में 55 रन पर पहुंचाया। जीत की ओर बढ़ती विद्याभवन को दक्ष चंदेल और वैभव के विकेट के रूप में 17वें और 18वें ओवर में बढ़े झटके लगे। अंतिम ओवर की पांचवीं केंद पर अर्पित चौहान को भी आउट होकर पैवेलियन जाना पड़ा। अब अंतिम गेंद पर विद्याभवन को जीतने के लिए दो रन की जरूरत थी। यह रन अमन कुमार ने बनाए और अपनी टीम को जीत दिलाई। अंतिम गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में दर्शक और दोनों टीमों के समर्थकों की सांसें अटकी रहीं।

फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में डीआरएम इज्जतनगर मंडल रेखा

रनर अप ट्राफी के साथ मिशन एकेडमी की टीम

रवि अग्रवाल
स्मृति चिहन

रेखा यादव (डीआरएम)

यादव जी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय हासिल किया और बधाई दी। इस मौके पर ऋचा मूर्ति जी, विद्याभवन के चेयरमैन रवि अग्रवाल, इंजीनियर सुभाष मेहरा, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्या, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, फार्मेसी की डायरेक्टर डा. आरती गुप्ता, प्रवीण कुमार, बरेली टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेंद्र कामथान, विद्याभवन पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल डा.योहान कुंवर, टूर्नामेंट आयोजन समिति के सेक्रेटरी डा.सोवन मोहंती, कोच मनीष सिंह, शंकरपाल और टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के कोच भी मौजूद रहे।

टूर्नामेंट पर एक नजर

सेमी फाइनल 1 - विद्या भवन ने बासुबरल को दस विकेट से हराया
सेमी फाइनल 2 -मिशन एकेडमी ने GRM को सात विकेट से हराया
सेमी फाइनल 1 में विद्या भवन के लक्ष्य मैन आफ द मैच
सेमी फाइनल 2 में मिशन के मुहम्मद आरिश को मैन आफ द मैच बने
क्वार्टर फाइनल 4 - बासुबरल सरस्वती ने सेक्रेड हार्ट को हराया
क्वार्टर फाइनल 3 - मिशन एकेडमी ने राधा माधव को 90 रन से हराया
क्वार्टर फाइनल 2 - विद्याभवन ने मुकंद इंटरनेशनल को 151 रन से हराया
क्वार्टर फाइनल 1 - GRM ने एसआर इंटरनेशनल को 16 रन से हराया

परिचय हासिल करते आदित्य मूर्ति जी, निर्भय बेनीवाल और पारूष अरोड़ा

... क्लीन बोल्ड

हेमेटोलाजी के बिना जांच, इलाज मुश्किल

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हेमेटोलाजी अपडेट्स पर कांफ्रेंस और वर्कशाप आयोजित

सम्बोधन

दीप प्रज्वलन

- सही इलाज के लिए हेमेटोलॉजी की रिपोर्ट पर निर्भर है सभी डॉक्टर
- हेमेटोलॉजी से मिलती है रक्त के डिसआर्डर की जानकारी

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पैथोलाजी विभाग की ओर से हेमेटोलाजी अपडेट्स विषय पर दो दिवसीय कांफ्रेंस और वर्कशाप 6 और 7 मई को हुई। इंडियन एसोसिएशन आफ पैथोलाजिस्ट एंड माइक्रोबायोलाजिस्ट (I-A-P-M-) के यूपी चैप्टर के तत्वावधान में आयोजित इस कांफ्रेंस में उद्घाटन सत्र के साथ साइंटिफिक वर्कशाप का आयोजन किया गया। इसके दूसरे व अंतिम दिन 7 मई को उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली स्थित मैक्स सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल के लैब सर्विसेज के सीनियर डायरेक्टर व एचओडी डा.अनिल हांडू, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत) डा.एमएस बुटोला, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.तनु अग्रवाल और कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सुरभि पांडेय ने दीप प्रज्वलन के साथ कांफ्रेंस का उद्घाटन किया। देवमूर्ति जी ने अपने संबोधन में पेशेंट केयर में खून की जांच रिपोर्ट को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खून की जांच किए बिना किसी भी बीमारी का इलाज मुश्किल है। सही इलाज के लिए सभी चिकित्सक हेमेटोलाजी की रिपोर्ट पर निर्भर हैं। जिसके बिना खून की जांच पूरी नहीं हो सकती। अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी के लिए इस क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सकों को भी अपडेट्स पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके लिए यह कांफ्रेंस महत्वपूर्ण योगदान देती है। डा.अनिल हांडू ने इस दो दिवसीय हेमेटोलाजी अपडेट्स को सफल बताया। उन्होंने कहा कि इससे सभी चिकित्सकों और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में हो रहे रिसर्च की जानकारी मिली है। इससे पहले मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत) डा. एमएस बुटोला ने कांफ्रेंस की जानकारी देने के साथ मेडिकल कालेज की उपलब्धियों से भी सभी को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि चेयरमैन देवमूर्ति जी की लीडरशिप में 2002 में स्थापित हास्पिटल ने मेडिकल कालेज का दर्जा हासिल किया और आज यहां पर यूजी और पीजी की पढ़ाई के साथ सुपरस्पेशियलिटी की भी पढ़ाई हो रही है। डा.तनु अग्रवाल ने कांफ्रेंस के संबंध में जानकारी देने के साथ अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि रक्त के डिसआर्डर की जानकारी के लिए हेमेटोलाजी की महत्वपूर्ण भूमिका है और ऐसी साइंटिफिक कांफ्रेंस के जरिये हमें इस क्षेत्र में हो रही रिसर्च की जानकारी मिलती है। डा.सुरभि पांडेय ने उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सकों, फैकेल्टी और विद्यार्थियों का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. प्रिया लोचब ने किया। साइंटिफिक वर्कशाप में मुंबई स्थित टाटा मैमोरियल कैंसर इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डा.सुमित गुजराल, दिल्ली स्थित मैक्स सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल के लैब सर्विसेज के सीनियर डायरेक्टर व एचओडी डा.अनिल हांडू, एसजीपीजीआई लखनऊ के एडिशनल प्रोफेसर डा.खलिकुर रहमान, एसजीपीजीआई लखनऊ की एडिशनल प्रोफेसर डा.रुचि गुप्ता, फोर्डिज मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट गुरुग्राम के प्रिंसिपल डायरेक्टर डा.राहुल भार्गव, एम्स नई दिल्ली की एसोसिएट प्रोफेसर डा.जसमिता दास ने हेमेटोलाजी से संबंधित अपनी रिसर्च पर व्याख्यान दिए। इस मौके पर डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.शानू गुप्ता, डा.निधि जौहरी, डा.हेमा पंत, डा.रुचि खंडेलवाल, डा.मिलन जायसवाल, डा.वानिका, डा.शुभ्रा कुमारी, डा.शबाना अंसारी, डा.शुभनिता गर्ग, डा.हर्षिता अग्रवाल मौजूद रहे।

सर्टिफिकेट

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय आर्थोप्लास्टी वर्कशाप, कांफ्रेंस आयोजित

एसआरएमएस में रोबोटिक सर्जरी से टोटल नी रिप्लेसमेंट

रोबोटिक सर्जरी का लाइव प्रसारण

बरेली: रोबोटिक सर्जरी के जरिये सफल नी रिप्लेसमेंट के साथ एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में आट और नौ जुलाई को दो दिवसीय कैडेवरिक आर्थोप्लास्टी कोर्स का आयोजन हुआ। प्रोफेसर अनिल अरोड़ा के निर्देशन में डा. अक्षय चंदेल ने अपनी टीम के साथ एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पहली बार रोबोटिक सर्जरी से घुटने का आपरेशन किया। वर्कशाप में इसका लाइव प्रसारण भी किया गया। पहले दिन 8 जुलाई को उद्घाटन सत्र के साथ साइंटिफिक सेशन भी हुआ। इसमें देश के नामचीन आर्थोपैडिक सर्जन ने टोटल हिप रिप्लेशमेंट और टोटल नी रिप्लेशमेंट से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल बिथरी चौनपुर के विधायक और आर्थोपैडिक सर्जन डा.राघवेंद्र शर्मा शामिल हुए। उन्होंने ऐसी कांफ्रेंस को विद्यार्थियों के साथ चिकित्सकों के लिए भी बेहद लाभदायक बताया। कहा कि इनसे नई ऊर्जा के साथ सीखने का मौका मिलता है साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी भी मिल जाती है। डा.शर्मा ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आरंभ होने के दौरान यहां से आरंभ किए अपने करियर का भी याद किया और अपनी सफलता का श्रेय एसआरएमएस मेडिकल कालेज को भी दिया। उन्होंने कहा कि यहीं से अपना करियर आरंभ करने की वजह से यहां आना उन्हें हमेशा अच्छा लगता है और इसीलिए वह यहां आने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इससे पहले उद्घाटन सत्र में सभी का स्वागत कांफ्रेंस के आर्गनाइजिंग चेयरमैन डा.एसके कौशिक ने किया। उन्होंने वर्कशाप की जानकारी दी और व्याख्यान का ब्यौरा दिया।

- बिथरी एमएलए डा.राघवेंद्र शर्मा ने कांफ्रेंस को बताया ज्ञानवर्धक और नई ऊर्जा देने वाला
- रोबोटिक सर्जरी से टोटल नी रिप्लेसमेंट के गवाह बने बरेली और आसपास के क्षेत्र के डाक्टर

दूसरे साइंटिफिक लैक्चर्स के साथ पहली बार रोबोटिक सर्जरी से टोटल नी रिप्लेसमेंट किया गया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आर्थोपैडिक विभाग के अध्यक्ष और इस कांफ्रेंस के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.संजय गुप्ता ने बताया कि रोबोट के जरिये घुटने का आपरेशन ज्यादा बेहतर होता है। इसमें कम से कम कट में सर्जरी की जाती है। इससे मरीज की रिकवरी जल्दी होती है। इसके साथ ही ज्वाइंट के ज्यादा चलना मुमकिन होता है। डा.संजय ने रोबोटिक सर्जरी के जरिये नी रिप्लेसमेंट को सफल बताया। उन्होंने कहा कि जिस मरीज की यह सर्जरी की गई है वह करीब दस वर्ष से चलने में असमर्थ था। उसका घुटने का जोड़ भी पूरी तरह घिस चुका था। आपरेशन ही उसका एक मात्र इलाज होने के कारण आज रोबोटिक सर्जरी के

मुख्य अतिथि डॉ. राघवेन्द्र शर्मा को स्मृति चिह्न देते डॉ. राजीव गर्ग

जरिये नी रिप्लेसमेंट किया गया। यह सफल रहा। प्राइमस हास्पिटल के डा.सीएस यादव ने कहा कि देश में घुटना और कूल्हों के जोड़ों की ज्यादा समस्या है। लेकिन कम ही शहरों में इसके आपरेशन की सुविधा उपलब्ध है। आर्थोपैडिक सर्जन को इसकी जानकारी देने के लिए आर्थोप्लास्टी कोर्स कराने के लिए वर्कशाप आयोजित की जा रही है। इसका मरीजों को फायदा मिलेगा। आईएमए बरेली के प्रेसिडेंट डा. विनोद पागरानी ने भी वर्कशाप को ज्ञानवर्धक बताया और रोबोटिक सर्जरी से नी रिप्लेसमेंट मरीजों के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश आर्थोपैडिक एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट डा. संजीव गर्ग, वर्कशाप के आर्गनाइजिंग चेयरमैन डा.एसके कौशिक, डा.अपसर खान, डा.ध्रुव गोयल, डा. संजय श्रीवास्तव, डा.आरजी शर्मा, डा.वरुण अग्रवाल, डा.विजय कुमार, डा.अमृत गोयल, डा.शरद गुप्ता, डा.सिद्धार्थ दुबे सहित आसपास के जिलों के तमाम आर्थोपैडिक सर्जन मौजूद रहे।

दीप प्रज्वलन

नवजात बच्चों की देखभाल और इलाज महत्वपूर्ण

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में नियोनेटोलाजी अपडेट्स पर कांफ्रेंस और वर्कशाप आयोजित

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पीडियाट्रिक्स विभाग की ओर से 6 और 7 मई को नियोनेटोलाजी अपडेट्स विषय पर दो दिवसीय कांफ्रेंस और वर्कशाप हुई। पहले दिन उद्घाटन के साथ वर्कशाप में बेसिक नियोनेटोलाजी सत्र का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ स्थित कमांड हास्पिटल पीडियाट्रिक व नियोनेटोलाजी विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर डा. वंदना नेगी, नेशनल नियोनेटोलाजी फेडरेशन के सेक्रेटरी व स्वामी दयानंद हास्पिटल शाहदरा के डा.सुरिंदर बिष्ट, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत) डा.एमएस बुटोला, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.अनीता कुमारी और कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा ने दीप प्रज्वलन के साथ कांफ्रेंस का उद्घाटन किया। डा.अनीता ने वर्कशाप में आए विशेषज्ञों सहित सभी का स्वागत किया और आयोजन के बारे में जानकारी दी। डा.बुटोला ने नवजात शिशुओं के इलाज को महत्वपूर्ण बताया और शिशु मृत्यु दर रोकने में इसकी भूमिका को स्पष्ट किया। ब्रिगेडियर डा.वंदना नेगी ने कांफ्रेंस के नियोनेटोलाजी अपडेट्स विषय के साथ ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। डा.सुरिंदर बिष्ट ने नेशनल नियोनेटोलाजी फेडरेशन की ओर से नवजात शिशुओं के इलाज के लिए एसआरएमएस में राष्ट्रीय स्तर की 6 दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेश के सभी नियोनेटोलाजिस्ट के साथ ही दूसरे प्रदेशों के चिकित्सक भी आमंत्रित किये जाएंगे। देवमूर्ति जी ने एसआरएमएस में नवजात शिशुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी वह नवजात बच्चों के लिए विश्वस्तरीय सेंटर बनाना चाहते हैं। उद्घाटन सत्र में सभी ने वर्कशाप का ई सोविनियर भी रिलीज किया। डा.सुरभि चंद्रा ने कांफ्रेंस में उपस्थित सभी लोगों का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. ऋतु मलिक ने किया। वर्कशाप सत्र में डा.अनीता कुमारी, लखनऊ स्थित कमांड हास्पिटल के सीनियर एडवाइजर कर्नल आशुतोष कुमार, एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पीडियाट्रिक्स विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डा.पीएल प्रसाद, केजीएमयू के प्रोफेसर एसएन सिंह, एसजीपीजीआई के प्रोफेसर डा.कीर्ति नारंजे, डा. सुरिंदर बिष्ट, डा.वंदना नेगी, डा. अतुल कुमार ने अपने अपने विषय पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर डा. सीएम चतुर्वेदी, डा.अनीस बेग, सभी विभागाध्यक्ष और विद्यार्थी मौजूद रहे।

वर्कशाप में ई-सोवनियर रिलीज करते चेयरमैन देव मूर्ति व अन्य अतिथि

गुरुओं के साथ शिष्यों को भी मौका मिलने से एसआरएमएस रिद्धिमा बना...

गीत, संगीत, डांस, ड्रामा का लोकप्रिय मंच

वोकल वर्कशॉप में प्रशस्ति पत्र वितरित

- एलीमेंट्स आफ अष्टांग गायकी वर्कशाप में प्रोफेसर (डा.) जयंत खोट ने दिए गायन के टिप्स
- भरतनाट्यम वर्कशाप नित्य योगा में विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य पर जोर

बरेली: अपनी स्थापना के साथ ही एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच गीत, संगीत, डांस, ड्रामा का पुख्ता मंच बन गया है। संगीत प्रेमी यहां शास्त्रीय और सुगम संगीत का आनंद उठाते हैं तो शास्त्रीय नृत्य के कद्रदान कथक और भरतनाट्यम की प्रतिभाओं को देख कर अपनी विरासत पर फख्र करने का अवसर पाते हैं। नाटकप्रेमियों और थिएटर के शौकीन लोगों के लिए यहां आयोजित होने वाले नाटक एक अलग ही अहसास कराने के लिए काफी हैं। बीते माह रिद्धिमा में दो दर्जन से ज्यादा कार्यक्रम हुए। इसके साथ ही एलीमेंट्स आफ अष्टांग गायकी वर्कशाप का भी आयोजन हुआ। जिसमें प्रोफेसर (डा.) जयंत खोट ने विद्यार्थियों को गायकी के टिप्स दिए। दो दिवसीय इस कार्यशाला में 27 प्रतिभागी शामिल हुए। तीन दिवसीय भरतनाट्यम वर्कशाप 26 मई से आरंभ हुई। इसमें 30 विद्यार्थियों शामिल हुए। जिन्हें नित्य योगा को अपना कर एकाग्रता को बढ़ाने और प्रतिभा को निखारने का प्रशिक्षण दिया गया। पांच मार्च को 'फाल्गुन की फुहार' में बरसे रंगों ने श्रोताओं को दिल और दिमाग को सराबोर किया। गायन के इस कार्यक्रम में गुरुओं के साथ विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया और होली के रंगभरे गीतों की बारिश की। नई दिल्ली के रूबरू थिएटर ने 12 मार्च को संगीतमय नाटक ''मिर्ज़ा साहिबा'' का मंचन किया। डा. शशि सहगल लिखित और काजल सूरी निर्देशित इस नाटक में मोहन यादव (मिर्जा), रवनीत कौर (साहिबा), जितेंद्र गुप्ता (खीवा), जसकीरन चोपड़ा (जिमियाब) ने बेहतरीन अभिनय किया। यशपाल जी की कहानी पर आधारित, अख्तर अली के नाट्य आलेख पर रिद्धिमा प्रोडक्शन की ओर से रोमांटिक प्ले 'मैं खूबसूरत हूं' को शैलेंद्र शर्मा ने निर्देशित किया। इसमें बीमार सुगंधा जीना नहीं चाहती पर दूसरी तरफ गंभीर मरीज उमंग जिंदादिल है। उससे मिल कर उसकी जिंदगी में बदलाव आता है। एलीमेंट्ज थिएटर, नई दिल्ली की ओर से नाटक 'द डिनर गेम्स' का मंचन 2 अप्रैल को हुआ। ''फ्रांसिस वेबर'' लिखित और फ्रेंच हास्य नाटक 'ले डिनर दे कान्स' पर आधारित इस नाटक का भारतीय परिवेश में रूपांतरण और निर्देशन राखी मानव ने किया। इसमें 'चैंपियन इडियट' चुना जाता है। 9 अप्रैल की शाम 'अदब ए गुलजार' गीतकार गुलजार को समर्पित रही। उनके गुलजार के प्रसिद्ध, कर्णप्रिय गीतों को गायन गुरुओं और उनके शिष्यों ने प्रस्तुत किया। स्वरों की जुगलबंदी, वाद्ययंत्रों का तालमेल देख कर श्रोता आश्चर्यचकित रह गए। नृत्य नाटिका रमे रामे मनोरमे को दो भागों में प्रस्तुत किया गया। पहले भाग का मंचन 19 मार्च और दूसरा भाग का मंचन 16 अप्रैल को हुआ। इसमें राम के वनवास से लेकर लंका विजय और सीता मिलन तक की कथा का मंचन हुआ। जिसे भरतनाट्यम गुरु अंबाली प्रहराज ने अपने शिष्यों और कथक गुरु देव ज्योति नस्कर और रियाश्री चटर्जी ने अपने शिष्यों के साथ प्रस्तुत किया। दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित और एकलव्य थिएटर देहरादून की ओर से 30 अप्रैल को नाटक 'कथा एक कंस

उपस्थित गणमान्य

की' का मंचन हुआ। इसमें कंस की मानसिक वेदना को दर्शाया गया। अखिलेश नारायण ने कंस की भूमिका में बेहतरीन अभिनय किया। साथ ही प्रद्योत का किरदार भी निभाया। रिद्धिमा में 7 मई की शाम कारवां ए गजल के नाम रही। इसमें गायन के गुरु और शिष्यों की जुगलबंदी में गजल प्रेमियों की वाहवाही लूटी। एसआरएमएस ट्रस्ट के प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा.अनुज कुमार ने वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी गाकर बचपन को याद किया। 'रिद्धिमा प्रोडक्शन' ने 14 मई को 'मौत क्यों रात भर आती नहीं' नाटक का मंचन किया। प्रताप सहगल लिखित और शैलेन्द्र शर्मा निर्देशित इस नाटक में जरूरतों की पूर्ति के लिए जूझते आम मध्यमवर्गीय परिवार की व्यथा को उठाया गया। 21 मई की शाम दास्तान ए मुहब्बत के नाम रही। लैला- मजनूं की मुहब्बत पर आधारित इस नृत्य नाटिका में अभिनय के साथ कथक सीख रहे विद्यार्थियों ने अपनी जुगलबंदी से दर्शकों को प्रभावित किया। इसमें सीईटी के छात्र आकाश ने मजनूं की भूमिका निभाई। जबकि लैला के शौहर का किरदार प्रणब, भाई की भूमिका यश, अब्बा का किरदार उज्ज्वल अग्रवाल ने निभाया। नई दिल्ली के 'एक्टिंग लीला स्टूडियो' ने 28 मई को हास्य नाटक ष्प्रकाश एंड संस फन च्टज अनलिमिटेडष का मंचन किया। वरुण शर्मा लिखित और निर्देशित यह नाटक खुश मिजाज बुजुर्ग प्रकाश और उसके लालची परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो वसीयत में अपना हिस्सा हासिल करना चाहता है। मेडवन थिएटर नई दिल्ली ने 4 जून को नाटक 'हैमलेट' का मंचन किया। विख्यात नाटककार विलियम शेक्सपियर लिखित और सैफ अंसारी द्वारा निर्देशित ये नाटक एक ट्रेजेडी ड्रामा है। इसमें डेनमार्क के राजा का भूत अपने बेटे हैमलेट को अपनी हत्या का राज बताता है और बदला लेने को कहता है। 11 जून को सत चित आनंद कार्यक्रम के जरिये शास्त्रीय नृत्य से देवत्व की महिमा का बखान हुआ। इसमें कथक और भरतनाट्यम सीख रहे विदयार्थियों ने विभिन्न देवताओं की स्तुति की और अपनी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रिद्धिमा में 25 जून की शाम शास्त्रीय रागों के स्वर गूंजे। इस स्वर श्रृंगार कार्यक्रम में गायन सीख रहे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। गायन गुरु और अतिथि गायकों ने भी उनकी हौसला अफजाई की और उनका साथ निभाया। कोर्टरूम कामेडी नाटक 'कामेडी आफ सस्पेंस' का मंचन 9 जुलाई को हुआ। 'आयन रैंड' द्वारा लिखित और राखी मानव द्वारा रूपांतरित और निर्देशित इस नाटक में महिला कनिका पर शहर के बड़े व्यापारी राज कौटिल्य की हत्या का इल्जाम है, कोर्ट रूम में इसका खुलासा होता है। नई दिल्ली के रुबरू थिएटर ग्रुप ने 16 जुलाई को संगीतमय नाटक सस्सी पुन्नू का मंचन किया। काजल सूरी लिखित और निर्देशित नाटक सस्सी पुन्नू पंजाब की प्रेम कहानियों में से एक है। इस संगीतमय नाटक में दर्शकों को समद्ध लोक संस्कृति से रुबरू कराया गया। रिद्धिमा में 23 जुलाई की शाम शास्त्रीय वाद्य यंत्रों और शास्त्रीय रागों पर आधारित संगीतमय कार्यक्रम 'राग्स' के नाम हुई। इसमें गायन सीख रहे विद्यार्थियों और गायन गुरुओं ने शास्त्रीय रागों पर आधारित गीतों को स्वर दिए। तो वाद्य यंत्रों के गुरुओं ने उनका शानदार साथ दिया। 30 जुलाई को रिद्धिमा की ओर से नाटक तुम्हारे बिना प्रस्तुत किया गया। शैलेंद्र शर्मा निर्देशित इस नाटक में पति-पत्नी के बीच की महत्वाकांक्षा और धोखा को उजागर किया गया। जिसमें पति अपनी पत्नी द्वारा लिखी कहानियों को अपने नाम से प्रकाशित करवाता है। रिद्धिमा के मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने वाले कलाकारों को लगातार एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, श्यामल गुप्ता, ट्रस्ट के एडवाइजर इंजीनयिर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा.अनुराग मोहन, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा.रीता शर्मा और शहर के अन्य कलाप्रेमियों की ओर से प्रोत्साहन मिलता है और आशीर्वाद भी।

'फाल्गुन की फुहार' से सराबोर हुए श्रोता

रमे रामे मनोरमे में राम की गाथा -1

मैं खूबसूरत हूं

मिर्जा - साहिबा

एलिमेंट्स ऑफ अष्टांग गायकी वर्कशॉप

कारवां-ए-गज़ल

'कथा एक कंस की'

'द डिनर गेम्स' में दोस्त की तलाश

'अदब ए गुलजार' में गुरुओं का साथ

'मौत क्यों रात भर आती नहीं'

'प्रकाश एंड संस फन अनलिमिटेड'

रमे रामे मनोरमे में राम की गाथा -2

दास्ताने-ए-मुहब्बत में लैला मजनूं

गणमान्य अतिथि

रिद्म ऑफ लाइफ

सत चित आनंद में देवत्व की महिमा

'हैमलेट' में पिता की मौत का बदला

मिलने से पहले बिछड़ गये सस्सी- पुन्नू

शास्त्रीय रागों की संध्या 'स्वर श्रृंगार'

शास्त्रीय रागों की महफिल

मर्डर मिस्ट्री 'कामेडी आफ सस्पेंस'

अष्टांग योगा: भरत नाट्यम वर्कशॉप

पति- पत्नी की महत्वाकांक्षा और धोखा तुम्हारे बिना मैं

एसआरएमएस में पहली नेफ्रोकान कांफ्रेंस का शानदार आयोजन

शरीर में सूजन की भी न करें अनदेखी

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजित पहली नेफ्रोकान कांफ्रेंस में उपस्थित एसआरएमएस टस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ. स्मिता गुप्ता, डॉ. संजय कुमार और डॉ.विद्यानंद

- पेपर प्रेजेंटेशन में एसआरएमएस के डा.अनुभव और जसलीन को पहला और दूसरा स्थान
- पोस्टर प्रेजेंटेशन में एसआरएमएस के विद्यार्थियों को हासिल हुआ पहला व दूसरा स्थान
- एसआरएमएस की डा. सृष्टि वाधवा और डा.श्रद्धा श्रीवास्तव संयुक्त रूप से पहले स्थान

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 12 मार्च को दो दिवसीय पहली नेफ्रोकान कांफ्रेंस का शानदार समापन हुआ। दूसरे दिन पेपर प्रेजेंटेशन के साथ साइंटिफिक कांफ्रेंस में देश के नामचीन विशेषज्ञों ने गुर्दा रोग से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिया। सभी ने माना कि डायबिटीज जैसी बीमारियों में तो किडनी की देखभाल के लिए समुचित जांच आवश्यक है ही, साथ में शरीर में सूजन, पेशाब की मात्रा का अचानक कम होना जैसे शरीर में होने वाले छोटे- छोटे बदलाव भी नजर अंदाज करने योग्य नहीं हैं। यह लक्षण किडनी के रोगग्रस्त होने की वजह से हो सकते हैं। ऐसा होने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें और जांच कराएं। कांफ्रेंस के समापन पर पेपर प्रेजेंटेशन और पोस्टर प्रेजेंटेशन के विजेता पीजी स्टूडेंट को भी पुरस्कृत किया गया। पेपर प्रेजेंटेशन में एसआरएमएस के डा.अनुभव और जसलीन को पहला और दूसरा स्थान मिला। इसमें राजश्री मेडिकल कालेज के डा.नितिन सोनोने ने तीसरा स्थान हासिल किया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला स्थान संयुक्त रूप से एसआरएमएस मेडिकल कालेज की डा. सृष्टि वाधवा और डा.श्रद्धा श्रीवास्तव ने हासिल किया। दूसरा स्थान भी एसआरएमएस की डा.निहारिता जसूजा को मिला। तीसरे स्थान पर रुहेलखंड मेडिकल कालेज के डा. रजत अग्रवाल रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय पहली नेफ्रोकान कांफ्रेंस का 11 मार्च को उद्घाटन बिथरी चैनपुर के विधायक डा.राघवेंद्र शर्मा और एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने किया था। पहले दिन पोस्टर प्रेजेंटेशन के साथ एक दर्जन से ज्यादा गुर्दा रोग विशेषज्ञों ने इससे संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान दिए गए। दूसरे दिन साइंटिफिक कांफ्रेंस का आरंभ ओरल पेपर प्रेजेंटेशन से हुआ। इसमें विभिन्न मेडिकल कालेजों के आठ पीजी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। डा.एमपी रावल, डा.राजीव टंडन, डा.इरफान अहमद, डा. दिव्यांत रावत और डा.जेएस विश्नोई ने इसमें निर्णायक की भूमिका निभाई। इसमें एसआरएमएस के मेडिसिन विभाग के डा.अनुभव गुप्ता को प्रथम स्थान और मेडिसिन विभाग की डा. जसलीन को दूसरा स्थान हासिल हुआ। राजश्री मेडिकल कालेज के डा.नितिन सोनोने ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 19 पीजी विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन में हिस्सा लिया। जिसमंत से 12 विद्यार्थी एसआरएमएस के थे। इसमें एसआरएमएस के रेडिएशन ओंकोलाजी विभाग डा.श्रद्धा श्रीवास्तव और मेडिसिन विभाग की डा. सृष्टि वाधवा ने संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया। रेडिएशन ओंकोलाजी विभाग ही डा.निहारिता जसूजा दूसरे स्थान पर रहीं। तीसरा स्थान रुहेलखंड मेडिकल कालेज के डा.रजत अग्रवाल को मिला। इसके बाद साइंटिफिक प्रेजेंटेशन आरंभ हुआ। जिसमें दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया हास्पिटल के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा.ललित पुर्सनानी ने डायबिटीज के दौरान गुर्दे की बीमारी में मैनेजमेंट पर व्याख्यान दिया। केजीएमयू लखनऊ के विशेषज्ञ डा. लक्ष्य कुमार ने स्टेरायड के बाद भी बच्चों के पेशाब में प्रोटीन की मात्रा के नियंत्रित न होने पर व्याख्यान दिया। एम्स नई दिल्ली के डा.संदीप महाजन ने आईसीयू में भर्ती मरीजों के फ्लूड मैनेजमेंट पर बात की तो लखनऊ के डा.अरुण कुमार ने गुर्दे की बीमारी के दिल पर होने वाले असर को समझाया। धर्मशिला सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के डा.एलके झा ने आईसीयू में भर्ती एक्यूट किडनी इंजरी के मरीज पर व्याख्यान दिया। सर गंगाराम हास्पिटल के डा.विनंत भार्गव ने एक्यूट किडनी इंजरी के मरीज के गुर्दे के काम करना बंद होने पर किए जाने वाले उपचार पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर कार्यक्रम की आर्गनाइजिंग चेयरमैन डा.स्मिता गुप्ता और डा.संजय कुमार, आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.विद्यानंद, डा.ललित सिंह, डा.रोहित टंडन, डा. दीपक दास, डा.सुदीप सरन, डा.सीमा सेठ, डा.विजय गुप्ता, डा.संजय वाजपेयी, डा.मनीष महाजन, डा.विपुल कुमार, डा.एसजेड खान, सभी विभागाध्यक्ष, फैकेल्टी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

एसआरएमएस में रेडियोबायोलाजी वर्कशाप में पहुंचे 20 मेडिकल कालेजों के पीजी

कैंसर बड़ी चुनौती, उपचार संभव: देव मूर्ति

प्रदेश के निजी संस्थानों में सिर्फ एसआरएमएस ओंकोलाजी में पीजी कोर्स उपलब्ध

कोर्स डायरेक्टर डॉ. मनोज गुप्ता को स्मृति चिह्न देते देव मूर्ति

- उत्तर भारत का महत्वपूर्ण कैंसर सेंटर है एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज
- देश में आबादी के हिसाब से दस लाख लोगों पर एक कैंसर सेंटर जरूरी

बरेली: इंडियन कालेज आफ रेडिएशन ओंकोलाजी (ICRO) और एसोसिएशन आफ रेडिएशन ओंकोलाजिस्ट आफ इंडिया (AROI) की एकेडेमिक विंग की ओर से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 15 अप्रैल को रेडियोबायोलाजी पर वर्कशाप हुई। नार्थ जोन की इस वर्कशाप में उत्तर भारत के सात राज्यों में संचालित 20 मेडिकल कालेजों के ओंकोलाजी के पीजी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सुबह नौ बजे से आरंभ हुई वर्कशाप में एसोसिएशन आफ रेडिएशन ओंकोलाजिस्ट आफ इंडिया (AROI) के नेशनल प्रेसिडेंट और कोर्स डायरेक्टर डा.मनोज गुप्ता ने रेडियोबायोलाजी से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। दोपहर में आयोजित उद्घाटन सत्र में उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा किए जा रहे कैंसर मरीजों के उपचार की सराहना की। उन्होंने इसे उत्तर भारत का महत्वपूर्ण कैंसर सेंटर बताया। डा.मनोज ने कहा कि जिस तेजी से कैंसर बढ़ रहा है उतनी तेजी से मरीजों के इलाज के लिए हमको भी आगे बढ़ना होगा। संसाधान जुटाने होंगे तभी भविष्य में कैंसर के मरीजों का उपचार संभव हो सकेगा। इसके लिए सभी मेडिकल कालेजों में ओंकोलाजी विभाग होना बेहद जरूरी है। देश में लगभग 650 मेडिकल कालेज हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ दो सौ में ही यह विभाग संचालित है। ओंकोलाजी में पीजी की बात करें तो यह तो और भी मुश्किल है। उत्तर प्रदेश में एसआरएमएस मेडिकल कालेज ही एक मात्र प्राइवेट संस्थान है जहां पर ओंकोलाजी में पीजी कोर्स उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नेशनल मेडिकल कमीशन और सरकार को हर मेडिकल कालेज में ओंकोलाजी विभाग स्थापित करने की पहल करनी चाहिए। यह सुझाव जल्द ही नेशनल मेडिकल कमीशन और सरकार के पास भेजा जाएगा। क्योंकि दस लाख लोगों पर एक कैंसर इंस्टीट्यूट होना बेहद जरूरी है। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने कैंसर को बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि कैंसर बड़ी चुनौती जरूर है लेकिन इसका पूरी तरह उपचार संभव है। पिछले दस वर्ष से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उपचार कराने वाले हजारों मरीज कैंसर को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। कैंसर के उपचार के लिए हमारे यहां अत्याधुनिक उपकरण हैं। जल्द ही हम इसका और भी विस्तार करने वाले हैं। इससे पहले आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के एचओडी कैंसर विशेषज्ञ डा.पियूष कुमार ने उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत किया। कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने मेडिकल कालेज की स्थापना और इसकी उपलब्धियों को बताया। कार्यक्रम का संचालन डा.आयुष गर्ग ने किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, डा.अरविंद चौहान, डा. पवन मेहरोत्रा, डा.राशिका सचान और पीजी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्बोधन

स्वास्थ्य क्षेत्र में फिजियोथेरेपिस्ट का रोल महत्वपूर्ण

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज में 18 मार्च को एकदिवसीय हैंड्स आन वर्कशाप हुई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट और टेपिंग टेक्निक एक्सपर्ट डा. मंजुल नौटियाल ने फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों को क्लीनिकल कंडीशन में चिकित्सकीय टेपिंग की मदद से मरीज के शीघ्र उपचार की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में फिजियोथेरेपी के बढ़ते महत्व के बारे में बताया और इसकी मदद से कार्डियक और न्यूरो संबंधी दिक्कतों के साथ अन्य बीमारियों के उपचार की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में फिजियोथेरेपिस्ट का रोल अब महत्वपूर्ण हो गया है। एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज के वाइस प्रिंसिपल डा.आशीष चौहान ने सभी का स्वागत किया और वर्कशाप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट वही बन सकता है जो लगातार सीखता रहे, जो प्रैक्टिस और ट्रेनिंग से ही संभव है। विशेषज्ञ डा. मंजुल नौटियाल ने टेपिंग टेक्निक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से टेपिंग टेक्निक के इस्तेमाल से किसी भी ज्वाइंट के दर्द का उपचार कम से कम जोखिम के साथ करना संभव है। फिजियोथेरेपी विभाग की इंचार्ज और डा.नबीला खानम ने वर्कशाप में आए सभी लोगों का धन्यवाद किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डा. सीएम चतुर्वेदी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. महेंद्र सिंह बुटोला, सभी विभागाध्यक्ष, फैकेल्टी और पैरामेडिकल के विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. हिना सिद्दीकी ने किया।

वर्कशाप में दिया स्मृति चिह्न

वर्कशाप में दिया प्रशिक्षण

स्पोर्ट्स मीट आह्वान 2023 में फिटनेस की आजमाइश

स्पोर्ट्स मीट आह्वान का उद्घाटन

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज में वाइब्रेंट क्लब ने 18 मई को वार्षिक स्पोर्ट्स मीट आह्वान- 2023 का आगाज किया। इसका समापन 10 जून को सांस्कृतिक समारोह के साथ हुआ था। ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति ने गुब्बारे उड़ाकर खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसमें एथलेटिक्स, क्रिकेट, वालीबाल, खो-खो, बैडमिंटन जैसी शारीरिक फिटनेस वाली प्रतियोगिताओं के साथ ही मानसिक फिटनेस वाली चेस, पूल, कैरम जैसी प्रतियोगिताओं की दो दर्जन से ज्यादा स्पर्धाएं हुईं। इसमें क्रिकेट में फैयाज की टीम, वालीबाल में शेखर की टीम, खोखो में राजीव की टीम, ठग आफ बार में राजीव की टीम, बैडमिंटन डबल्स ब्वायज में पारख और आकाश, बैडमिंटन डबल्स गर्ल्स में रश्मि और आकृति, बैडमिंटन सिंगल्स ब्वायज में अभिषेक, बैडमिंटन सिंगल्स गर्ल्स में अंशिका, चेस में पारख मनी, पूल में सार्थक, कैरम ब्वायज में अमनदीप और गौरव, कैरम गर्ल्स में वाव्या और कशिश साहू, एथलीट 100 मीटर में अभय, 200 मीटर में मो.आसिफ, 400 मीटर में रचित, भाला फेक में ओवस फिगार, गोला फेक में मो. कैफ, एथलीट गर्ल्स की 100 मीटर स्पर्धा में अमिषा, 200 मीटर में शीतल, भाला फेक में अंजली, गोला फेक में अंशिका को विजेता घोषित किया गया।

पीडियाट्रिक पल्मोलाजी वर्कशाप में एलर्जी अस्थमा पर चर्चा

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 30 जुलाई को पीडियाट्रिक पल्मोलाजी वर्कशाप हुई। इसमें सर गंगाराम हास्पिटल के सीनियर पीडियाट्रिक पल्मोलाजिस्ट डा. धीरेन गुप्ता ने पीडियाट्रिक ब्रोंकोस्कोपी और इंपल्स ओसिलोमीट्री, एसआरएमएस के सीनियर पल्मोलाजिस्ट प्रोफेसर (डा.) राजीव टंडन ने स्पाइरोमेट्री और फेनो पर व्याख्यान देने के साथ ट्रेनिंग दी। डा.दीपक कुमार, डा.धीरेन गुप्ता, डा. राजीव टंडन, डा.अतुल अग्रवाल और डा.गिरीश अग्रवाल, डा.यतिन मेहरा ने एलर्जी और अस्थमा पर हुए पैनल डिस्कशन में हिस्सा लिया। वर्कशाप में कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डा.ललित सिंह, वर्कशाप के आर्गनाइजिंग चेयर पर्सन डा.अनीता कुमारी, आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा मौजूद रहे।

सम्बोधित करते डॉ. धीरेन गुप्ता

एसआरएमएस संस्थानों में मनाया गया विश्व योगा दिवस

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर काटा केक

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

पैरामेडिकल में फेयरवेल पार्टी

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ली शपथ

आईपीएस: 'इनसेप्ट्रा 2023' में सांस्कृतिक कार्यक्रम

ब्लड डोनेशन पर जियांट्स बरेली का सम्मान

वायब्रेंट क्लब ने बनाया स्मृति चिह्न

चौथी इंटरनेशनल कांफ्रेंस में एमओयू पर हस्ताक्षर

बरेली: एसआरएमएस सीईटी में फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट साइंस की ओर से दो दिवसीय चौथी इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित हुई। पहले दिन 28 अप्रैल को इसमें महामारी के बाद उभरती हुई क्षेत्रीय चुनौतियों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। इसमें यूएनजीसीएन इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रतनेश, ताइवान की नेशनल ताइपे यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कुन हुआंग हुआंग द्धआनलाइनऋ शामिल हुए। दोनों ने इस विषय पर अपनी बात रखी। कांफ्रेंस में एसआरएमएस इंस्टीट्यूट और यूएनजीसीएनआई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति एसआरएमएस संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित रहेगी। ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, कांफ्रेंस के सलाहकार प्रोफेसर डीएन राव, डा.अनुज कुमार ने भी संबोधित किया। इस मौके पर डीन एकेडमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता भी मौजूद रहे।

एमओयू पर हस्ताक्षर

सातवीं बेसिक कोर्स वर्कशाप में डाक्टरों को ट्रेनिंग

सीईटी: टेक फेस्ट कम्पटेक का आयोजन

आईएमएस: बुक फेयर

आईपीएस में गैस्ट लैक्चर

आईएमएस: विश्व क्षय रोग दिवस पर पोषण किट बांटी

सीईटीआर: साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान

इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व छात्रों ने काटा केक

नर्सिंग: विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर पोस्टर मेकिंग में जीते प्रतियोगी

आईबीएस के विद्यार्थी पहुंचे पराग

आईबीएस में हुआ डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम

नर्सिंग: केयरिंग हैण्ड्स क्लब की नई कमेटी गठित

नर्सिंग: विश्व नर्सिंग दिवस पर सम्मान

आईबीएस: केंद्रीय बजट पर चर्चा

आईबीएस: मार्केटिंग मेनिया का आयोजन

आईबीएस: रंगारंग 'बालीवुड मैशअप' में श्रेया अव्वल

आईबीएस: एक्टोमैनिया से अंदर के कलाकार की खोज

आईबीएस: फेयरवेल में फिर मिलने का वायदा

स्पंदन में दिखी बहुमुखी प्रतिभा

ट्रॉफी के साथ विजयी प्रतियोगी

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एण्ड रिसर्च बरेली में 29 अप्रैल को एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन 2023 आयोजित हुआ। एसआरएमएस सीईटीआर, एसआरएमएस कालेज आफ ला एवं एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वाधान में हुए इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट के चेयरमेन देव मूर्ति जी एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित एवं मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण कर किया। उन्होंने स्पंदन 2023 की विषय वस्तु 'विहान' की घोषणा की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत स्ट्रीट प्ले, सोलो सिंगिंग, ग्रुप डांस, मूवी स्पूफ, मिडिया मास्टर, टू मेलोडीस, ओपनमाइक, रंगोली, पेंटिग, स्केचिंग/डुडल, फेसआफ, जनरल क्विज, ग्रुप सिंगिंग, ट्रेजर हंट जैसे इवेंट आयोजित हुए। ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने विजयी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट के साथ ट्राफी प्रदान कीं। ग्रुप डांस में नर्सिंग की छात्रा निष्ठा सिंह चौहान और उनकी टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। स्ट्रीट प्ले में सीईटीआर की छात्रा कृपा वी नारायन और उनकी टीम को प्रथम मिला। सोलो सिंगिंग में सीईटी के छात्र आयुष कुमार सक्सेना, मूवी स्पूफ में सीईटीआर के छात्र उदय रस्तोगी और उनकी टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। मिडिया मास्टर इवेंट में नर्सिंग की छात्रा रिशा शर्मा और टू मेलोडीस में पैरामेडिकल के छात्र सार्थक और निखिल अव्वल रहे। ओपनमाइक में नर्सिंग के छात्र सौरव सिंह, रंगोली में पैरामेडिकल के छात्र आजिम और कशिश ने प्रथम स्थान पाया। पेंटिंग में मेडिकल के छात्र आदित्य झा, स्केचिंग/डुडल में नर्सिंग की छात्रा प्रियंका सिंह ने प्रथम स्थान पाया। फेसआफ में सीईटी की छात्रा रितिका शर्मा विजेता रही। जनरल क्वीज में सीईटीआर के छात्र शिवम पाण्डेय, ग्रुप सिंगिंग में सीईटीआर के छात्र सागर पाण्डेय और उनकी टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। ट्रेजर हंट में सीईटी के छात्र देवेश गंगवार और उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम उपस्थित सभी गणमान्य जनों का वर्व सेक्रेटरी आयूषी मौर्य ने आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्य और ट्रस्ट से सम्बंद्ध सभी महाविद्यालयों के निदेशक, प्राचार्य, छात्र कल्याण संकाय के अध्यक्ष, सभी प्राध्यापक, स्टाफ एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

टेकव्योम में प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन

बरेली: एसआरएमएस सीईटीआर में 13 मई 2023 को 'तकनीकी वार्षिक उत्सव टेकव्योम का आयोजन हुआ। प्रौद्योगिकी के प्रति उत्साही लोगों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन देव मूर्ति जी, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी, सुभाष मेहरा जी, डीन एकेडमिक सीईटी प्रोफेसर डा. प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा. अनुज कुमार, चीफ प्राक्टर डा. सोवन मोहंती, डायरेक्टर फार्मेसी डा. आरती गुप्ता, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा. एलएस मौर्या, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एमएल बुटोला, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. रिंटू चतुर्वेदी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर इंजीनियर कपिल भूषण और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्यों, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, संकाय सदस्यों, प्रतिभगियों और उत्साही छात्रों की उपस्थिति में हुआ। देव मूर्ति जी ने कहा कि टेकव्योम का आयोजन ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

टेक व्योम विद्यार्थियों के मॉडल देखते चेयरमैन देव मूर्ति जी

अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। टेकव्योम में टेक गैलरी, ग्लाइडर प्लेन प्रतियोगिता, रोबो वार, हैकाथान, ड्रोन रेस सहित 40 से अधिक टेक इवेंट हुए। इसके साथ ही पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित हुआ। टेकव्योम में 1128 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसकी टेक्निकल क्विज में पूजा काराकोटी विजेता रहीं। मिनी हैकाथान में एकाग्र गौरव एवं रिया अग्रवाल, फार्मा माइंड में हरपाल सिंह एवं अंश पटेल, वग वार में ज्ञान गुप्ता, परसीयू दा मारकेट में महक अग्रवाल अव्वल आए। टायरो अध्यक्ष सुश्री स्तुति सक्सेना ने प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद दिया।

विश्व आईवीएफ दिवस पर एसआरएमएस में चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दिया संदेश

नि:संतानता आज समस्या नहीं, आईवीएफ कर रहा समाधान

हैल्थ कार्ड का वितरण

नुक्कड़ नाटक

- आईवीएफ प्रोसीजर अपनाने वाले परिवारों को हेल्थ कार्ड के साथ दिया गिफ्ट
- नुक्कड़ नाटक से निसंतानता संबंधी भ्रांतियों और तांत्रिकों से दूरी का संदेश
- परिजनों ने बच्चा न होने के तनाव और उपचार की यादों को किया साझा
- विशेषज्ञों ने नि:संतानता और आईवीएफ के संबंध में सवालों के दिए जवाब
- जांचों पर 25 फीसद छूट के साथ इंफर्टिलिटी एवं आईवीएफ कैंप आयोजित

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 25 जुलाई को विश्व आईवीएफ दिवस मनाया गया। एसआरएमएस आईवीएफ सेंटर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यहां से इलाज के बाद संतुष्ट परिजन भी अपने बच्चों के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने ऐसे आईवीएफ प्रोसिजर कराने वाले परिवारों को हेल्थ कार्ड और गिफ्ट प्रदान किया। कार्ड के जरिये एक वर्ष तक परिवार के किसी भी सदस्य के इलाज और जांचों में छूट प्रदान की गई है। सेंटर के दस वर्ष पूरे होने के मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आईवीएफ सेंटर में पांच दिनी इंफर्टिलिटी एवं आईवीएफ कैंप संचालित किया गया। जो 25 से 29 जुलाई तक आयोजित हुआ। इसमें निशुल्क परामर्श के साथ सभी तरह की जांचों पर 25 फीसद के साथ आईवीएफ पैकेज पर दस फीसद की छूट भी उपलब्ध कराई गई।

देव मूर्ति जी ने कहा कि आज नि:संतानता कोई समस्या या तनाव की बात नहीं है। आईवीएफ के जरिये बच्चे की इच्छा कभी भी और किसी भी उम्र में पूरी हो सकती है। हालांकि आज से 10-20 वर्ष पहले ऐसा संभव नहीं था। इसीलिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आज से दस वर्ष पहले आईवीएफ सेंटर स्थापित किया गया। अत्याधुनिक तकनीकि और उपकरणों से सुसज्जित और विशेषज्ञ डाक्टरों और टेक्नीशियन की वजह से यहां सक्सेस रेट 80 फीसद से ज्यादा है। दस वर्ष में यहां 15 हजार से ज्यादा मरीजों को देखा गया और 6 हजार से ज्यादा आईवीएफ प्रोसिजर किए गए। यह सब आप लोगों के विश्वास की वजह से ही संपन्न हुआ है। स्त्री और प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष और आईवीएफ विशेषज्ञ डा. शशिबाला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आईवीएफ की ओर लोगों का रुझान कम होने के बाद भी चेयरमैन देव मूर्ति जी ने समाज में बढ़ रही नि:संतानता को समझा और इसे दूर करने के लिए आईवीएफ सेंटर बनाने का फैसला किया। इन्हीं की दूरर दृष्टि की बदौलत आज हजारों लोगों के घरों में बच्चों की किलकारियां गूंज रही हैं। विश्व आईवीएफ दिवस पर एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने नि:संतान दंपति रमेश और निर्मला की कहानी, परिवार का दवाब, समाज के ताने, बाबाओं और ओझाओं के जाल में फंसने की कहानी को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि किसी भी नीम हकीम के जाल में फंसने के बजाय बिना समय गंवाए क्यों एसआरएमएस स्थित आईवीएफ सेंटर में आना चाहिए। कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नि:संतानता और आईवीएफ के संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए और इससे जुड़ी भ्रांतियों का भी समाधान किया। कार्यक्रम में आईवीएफ सेंटर की मदद से बच्चा हासिल करने वाले परिजनों ने बच्चा न होने जुड़े तनाव और उपचार की यादों की जानकारी दी। कार्यक्रम में चेयरमैन देव मूर्ति जी ने इस मौके पर एंब्रियोलाजिस्ट कोमल बिष्ट को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आभार आईवीएफ विशेषज्ञ डा.रुचिका गोयल ने जताया। कार्यक्रम का संचालन डा.शिवांगी ने किया। इस मौके पर प्रिंसिपल एयरमार्शल (डा.) एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.मृदु सिन्हा, डा. अनुराधा शर्मा और सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

परिचर्चा

एसआरएमएस में वर्कशाप 'एयरवे अपडेट 2023' का आयोजन

एनेस्थेसियोलाजिस्ट के बिना सर्जरी नामुमकिन

एयरवे अपडेट वर्कशॉप में दी गयी ट्रेनिंग

- एनेस्थेसियोलाजी विभाग ने किया वर्कशाप 'एयरवे अपडेट' का आयोजन
- सर्जरी के सभी विभागों को जोड़ने में एनेस्थेसियोलाजी विभाग महत्वपूर्ण

दीप प्रज्वलन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एनेस्थेसियोलाजी विभाग की ओर से दो अप्रैल को सीएमई एंड हैंड्स आन वर्कशाप 'एयरवे अपडेट 2023' का आयोजन हुआ। उद्घाटन और वर्कशाप सत्र में हुए इस कार्यक्रम में क्रिटिकल सर्जरी के दौरान ट्रामा के मरीज, ओरल कैंसर के मरीज और अन्य मरीजों के फेफड़ों तक पर्याप्त आक्सीजन पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों के अनुसार आक्सीजन पहुंचाने के इस सुनिश्चित तरीके को ही चिकित्सकीय भाषा में 'एयरवे' कहा जाता है। यह जीवन रक्षक तरीका है और इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को एनेस्थेसियोलाजिस्ट उठाते हैं।

उद्घाटन सत्र का आरंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने ऐसी सीएमई और वर्कशाप से डाक्टर और पीजी विद्यार्थियों को काफी फायदा होता है। इससे मरीज की जान बचाने में मदद मिलती है। ऐसी वर्कशाप का सभी को फायदा उठाना चाहिए। कार्यक्रम के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.धीरज सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया और वर्कशाप एयरवे अपडेट 2023 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एयरवे पर हो रही सीएमई और वर्कशाप में बेसिक एयरवे एसेसमेंट की जानकारी दी जा रही है। वर्कशाप में इसकी प्रैक्टिस भी करवाई जाएगी, जिससे मरीज का उपचार करते समय डाक्टर और पीजी विद्यार्थी बेहतर तरीके से अपने काम को अंजाम दे सकें। प्रिंसिपल डा.एमएस बुटोला ने पिछले वर्षों के दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज द्वारा हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। कोर्स डायरेक्टर डा. अमित कोहली ने एयरवे अपडेट की जरूरत को बताया। कार्यक्रम की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.गीता काकड़ ने सभी का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. अलंकृता अग्रवाल ने किया।

सीएमई एंड हैंड्स आन वर्कशाप में सर्जरी के दौरान अलग- अलग मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार जनरल एनेस्थेसिया देने के तरीकों, असेसमेंट और उसकी सर्वाधिक उपयुक्त विधि पर मौलाना आजाद मेडिकल कालेज दिल्ली के डा.अमित कोहली, डा.राहिल सिंह, डा. कार्तिक रमन और डा.शंकर नारायन, अपोलो नई दिल्ली के डा.अभिजित कुमार, एम्स पटना के डा.दीपक कुमार, टीएमयू मुरादाबाद की डा. पल्लवी अहलूवालिया, लोकनायक हास्पिटल दिल्ली की स्निग्धा सिंह ने व्याख्यान देने के साथ वर्कशाप में विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दी। वर्कशाप को डा.अमित कोहली और डा.अभिजीत कुमार ने कोआर्डिनेटर किया। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, डा.जूही सरन, डा.केसी शर्मा, डा.गौरव मिश्रा, डा.विश्वजीत सिंह, डा.अशिता मोवार, डा.सांची जैन, डा.अखिलेश पावड़े, डा.एसपी वार्ष्णेय, सभी विभागाध्यक्ष और फैकेल्टी मौजूद रहे।

टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम पर प्रोफेसर (डा.) नरेंद्र कुमार अरोरा का व्याख्यान

कोविड के बाद जीरो डोज बच्चों का टीकाकरण चुनौती

टीकाकरण पर व्याख्यान देते डॉ. नरेंद्र अरोरा

- सफल वैक्सीनेशन की बदौलत भारत ने सफलतापूर्वक किया कोविड का सामना
- भारत में संचालित है दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम

बरेली: सफल वैक्सीनेशन की बदौलत ही हमने दूसरे मुल्कों के मुकाबले कोविड महामारी की चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया। वैक्सीन से ही संभावित जनहानि रोकी जा सकी। यह हमारे टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम की बड़ी सफलता है। हालांकि महामारी के दौरान बच्चों का नियमित टीकाकरण न हो पाना हमारे लिए बड़ी चुनौती है। इस दौरान बहुत से नवजात डिप्थीरिया, टिटनेस, पोलियो, डीपीटी, हेपेटाइटिस-बी टीकों की पहली खुराक से भी वंचित रह गए। ऐसे जीरो डोज बच्चों के टीकाकरण के प्रति तेजी से काम किया जा रहा है। यह बात खसरा, रूबेला उन्मूलन प्रोग्राम की नेशनल वेरिफिकेशन कमेटी के हेड और कोविड 19 की नेशनल टास्क फोर्स के आपरेशनल रिसर्च ग्रुप और कई अन्य कार्यक्रमों के अध्यक्ष व इंक्लेन इंटरनेशनल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रोफेसर (डा.) नरेंद्र कुमार अरोरा ने कही।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से दो मार्च को भारत में टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम विषय पर गेस्ट लैक्चर और पैनल डिस्कशन हुआ। मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डा.) नरेंद्र कुमार अरोरा इसमें शामिल हुए। उन्होंने देश में टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम में भागीदार लोगों की चुनौतियां, भूमिका और उम्मीदों पर बात की। साथ ही पैनल डिस्कशन में पूछे गए सवालों के जवाब दिए। कोविड महामारी के दौरान गाइडलाइन तैयार करने वालों में से एक रहे डा.अरोरा ने बरेली से अपनी यादें साझा की। उन्होंने कहा कि यहां जीआईसी से इंटर करने के बाद भले ही मैं एमबीबीएस के लिए एम्स चला गया लेकिन परिवार यहीं रहा। बरेली कभी मुझसे दूर नहीं हुआ। इसी वजह से जब बरेली के लिए कुछ करने का मौका मिला तब इंक्लेन के जरिये रिसर्च के लिए यहां के आसपास के 45 गांव गोद लिए और दो वर्ष पहले एसआरएमएस मेडिकल कालेज के साथ इन गांवों के डेमोग्राफिक डेवलपमेंट के लिए काम शुरू किया है। डा. अरोरा ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण और प्रतिरक्षा कार्यक्रम संचालित है। इसके जरिये प्रति वर्ष 2.7 करोड़ बच्चों को टीके लगाए जाते हैं। वर्ष 1992-32 में जहां 35 फीसद बच्चों का टीकाकरण करना संभव हो पा रहा था वहीं वर्ष 2019-20 में हम 76 फीसद बच्चों तक पहुंच गए हैं। इसमें सरकार द्वारा संचालित इंद्रधनुष कार्यक्रम और लोगों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। तभी देश पोलियो और टिटनेस मुक्त हो पाया है। अब हमारा लक्ष्य 90 फीसद बच्चों तक पहुंचने का है। वैक्सीनेशन की बदौलत ही कोविड महामारी से निपटना संभव हुआ। लेकिन इस दौरान नियमित टीकाकरण प्रभावित हुआ। पिछले वर्ष पूरे देश में सबसे ज्यादा 141 खसरे के केस उ.प्र. में ही सामने आए हैं। टीकाकरण प्रभावित होने से बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस, पोलियो, डीपीटी, हेपेटाइटिस-बी टीके की पहली खुराक भी नहीं मिल पायी। अब उन्हें फिर से टीकाकरण के लिए जोड़ा जा रहा है। हालांकि अन्य कई वजहों से भी माता-पिता टीकाकरण पर ध्यान नहीं दे रहे। इसमें धार्मिक मान्यताएं भी प्रमुख हैं। पैनल डिस्कशन में निमोनिया, हेपेटाइटिस बी, लिवर कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, इंफ्युजला जैसी बीमारियों से बचाव लिए वयस्कों के टीकाकरण पर भी चर्चा हुई। इसमें डा.अरोरा के साथ क्रिश्चियन मेडिकल कालेज लुधियाना के वाइस प्रिंसिपल प्रोफेसर (डा.) सीजे सैमुअल, बरेली के वरिष्ठ पीडियाट्रीशियन डा.अतुल अग्रवाल, डब्ल्यूएचओ के डिवीजनल सर्विलांस आफिसर डा.अखिलेश्वर सिंह, प्रोफेसर (डा.) स्मिता गुप्ता, प्रोफेसर (डा.) मृदु सिन्हा, प्रोफेसर (डा.) सुरभि चंद्रा भी शामिल हुईं। पैनल डिस्कशन का संचालन डा. अभिनव पांडेय और कार्यक्रम का संचालन डा. सुगंधि शर्मा ने किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. महेंद्र सिंह बुटोला, कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा.अमरजीत सिंह, डा.हुमा खान, विभागाध्यक्ष और विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1996 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कहानी

अन्तर्द्वन्द

लेखक- अनुपम श्रीवास्तव, पता- प्रथम खण्ड किशोरी रमण कॉलेज, मथुरा

ग्रीष्म से आतप्त एक और दिवस। भगवान भास्कर की प्रचण्ड-प्रखर, सन्त्रस्त करती हुई किरणें। आकाश मानो अग्नि वर्षा करते हुए चारों ओर व्याकुलता एवं घुटन व्याप्त कर रहा था। अयोध्या नगरी के राजपथ शुष्कोष्ण वात में पराबद्ध ही पीताभ धूलिकणों से आच्छादित वातावरण को और भी दुस्सहा बना रहे थे। जनशून्य राजमार्ग वैधव्यगता अबला की सिन्दूर रहित माँग के समान श्रीहीन थे। ग्रीष्मतप से आत्मरक्षार्थ जीवमात्र अपने-अपने घरौंदों तक सीमित थे। स्वयम्भायु मनु के अथम श्रम-स्वेद से सिन्चित-पल्लवित कुसुमिव कमनीया साकेतपुरी अपने सांस्कृतिक एवं भौतिक समृद्धि का एक सम्पूर्ण युग जी लेने के उपरान्त शनैः-शनैः शिथिल पड़ने लगी थी। राजपथ पर उड़ती हुई धूल सूर्यवंश के भाग्यभानु को ग्रसने के लिए राहु रूपा हो चली थी। साकेत सिंहासिनाधिपति दशरथनन्दन राम का शासन प्रौढ़ हो चुका है। उत्तरापथ की आर्य संस्कृति विंध्य की उत्तुंग शिलाओं की अभेध-सुदृढ़ प्राचीर को छिन्न-छिन्न कर के सुदूर दक्षिण तक विस्तारमान हो चुकी थी। महासिन्धु का रक्षण करने वाली राक्षस संस्कृति पर आर्य संस्कृति की विजय पताका फहराकर कुमार राम का राजधिराज रामचन्द्र बनना, सीता का निर्वासन, अश्वमेद्य यज्ञयोजन, महादेवी जानकी की आत्मान्त, शूद्र-तापस शम्बूक का वध आदि जाने अनजाने कितने पड़ावों पर गिरता-पड़ता, चलता-ठहरता कहां से कहां आ पहुंचा है समय? और जाने कहां विलीन होते गये अतीत के वे क्षण? पलक झपकते वर्तमान, विगत बना गया और आगत, वर्तमान। शेष रह गई कथा सूत्रों में कुछ कटु-मिष्ठ स्मृतियां। राजगृह के विशाल द्वार के दोनों ओर रोपित आग्र-विटपों, शुष्क-दग्ध शाखारा। अत्यल्प शेष जीर्ण शीर्ण पत्र दल, रंग रूप आभा से वियुत अपने वर्तमान पर अश्रुपात करते एवम देवी सीता के समान पक्षियों द्वारा परित्यक्त कोटर। राजभवन के अन्तर्दश्य में दूर तक अलंकृत स्तंभ दृष्टव्य होते हैं। कला-शिल्प एवं मन्जुल कल्पनाओं का संगम यही है अयोध्या का भव्यराजप्रसाद, जहां ऐश्वर्य एवं समृद्धि मरूभूमि में रेत के समान बिखरी पड़ी हैं। अमरावती के समस्त वैभव को भी लज्जित कर देने वाले इस मनोहारी एवं अप्रतिम राजगृह में स्थान-स्थान पर वंशाग्रज भगवान भास्कर की भव्य आकृतियां उत्कीर्ण हैं। प्रस्तर एवं धातुकृत देव प्रतिमायें अभय मुद्राओं में शोभायमान हैं। विशाल प्रांगण सुवर्ण दीप स्तम्भों द्वारा रात्रि बेला में आलोकित होता है। ऐसे अद्वितीय वास्तुशिल्प का निर्माता निश्चय ही कोई मानवेत्तर प्राणी होगा। अलंकृत मखमली कालीनों की पंक्ति का जहां अन्त होता है वहीं अयोध्यापति महाराज रामचन्द्र का निजी कक्ष है। कक्ष द्वार अनावृत्त है।

कक्ष में सुसज्जित स्वर्णमणिचरित चन्द्रनपर्यकं पर विचार मग्नावस्था में तेजस्वी-राजपुरूष महाबली रामचन्द्र बैठे हैं। सुदीर्घ शासन से श्रान्तक्लान्त शिथिल रामचन्द्र। रामचन्द्र से सद्यजात शतदल से मुख पर विशाल कमल नयन, रक्ताम्बुज अधरोष्ठ निष्प्रभ हो चले हैं। भ्रमरों को लज्जित कर देने वाली अलकाबलि में रजत-रेखायें स्पष्ट होने लगी हैं। लगता है कि अचलअतराईयों में उछलती-कूदती कल्लोल करती महानदी सुदीर्घ मार्ग तय करके मन्थर पड़ गयी है। अन्तर्त रामचन्द्र स्थिर नहीं हैं। हृदय में उठते भीषण अन्तर्द्वन्द के कारण। पर्यक से उठकर वे टहलने लगते हैं। बैठ जाते हैं। पुनः उठकर वातायन के बाहर झांककर संसार से हृदय का तादाम्य स्थापित करने का असफल प्रयास करते हैं। सहसा उष्णवायु का एक प्रचंड झोंका साकेतपति के मुख को आघात देकर उन्हें तिर्यक-मुख हो जाने को विवश कर देता है। सहसा उनके कानों में धीर गंभीर ध्वनि गूंजती है। अनुज का प्रणाम स्वीकार करें आर्य। यह स्वर था कुमार लक्ष्मण का। शुभ्रकर्पूरांग सौमित्र की चाल एवं प्रकृति का ज्वार-वह उग्रता अब पर्याप्त मन्द पड़ चुकी है। आयु से प्रभावित वही स्वर एक प्रश्न, मद्र किन्चित असहज है। कोई विशेष चिन्ता या समस्या, अनुज लक्ष्मण यदि समाधान में योगदान कर सके तो अहोभाग्य होगा। अपलक मौन खड़े राम पर लक्ष्मण के शब्दों का प्रभाव हुआ, नहीं अनुज कुछ विशेष नहीं बस ऐसे ही विचारों के प्रवाह में बहता हुआ अतीत में पहुंच गया था। वे बोले मैं समझा नहीं आर्य। लक्ष्मण के कथन पर राम मानो समझाते हुए बोले, विगत दिवस ही तो था। जब हम पिताश्री की गोद में बैठकर उनका निस्सीम स्नेह पाते थे। राजमहल की इन्हीं वीथिकाओं में चंचल-निश्छल सरिता से दौड़ते भागते पिताश्री एवं माताओं का आनन्दित करते थे। आचार्य गृह में अध्ययनरत, ऋचाओं का पाठ करते, ज्योतिष- न्याय- मीमांसा- साहित्य- दर्शन- राजनीति- व्याकरण-निरूक्त-छनदशारूत्रादि की कारिकाओं सूत्रिकाओं की आवृति करते-करते न जाने कब किशोरावस्था में प्रविष्ट हुए हम चारों। राम जैसे अतीत में पूर्णतः खो चुके थे। लक्ष्मण किसी निस्पृह की भांति

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1996 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कहानी

बोले किन्तु अब हममें सब कुछ सार्वजनिक न रहा। कुछ न कुछ रहस्य जैसा हम में से प्रत्येक के पास रहने लगा। राजगृह की गुप्त मन्त्रणाओं में अपना स्थान अपनी भूमिका खोजते-खोजते निश्छलता के पर्याय, हमारे मानसमुकुर किन्चित धूमिल पड़ने लगे। अतीत में ही विचरण करते हुए राम पुन: बोले और विद्याध्ययन के बाद हम चारों ही परिणय सूत्र में बंधे। किन्तु सब कुछ सामान्य कितने दिन चले वे दिन। पिताश्री अशक्त होते जा रहे थे। समस्त पार्षदों, आमात्यों एवं अन्त:पुर की दृष्टि उत्तरापथ के विशालतम अयोध्या साम्राज्य के राज सिंहासन पर टिकी हुई थी। गतिविधियां तीव्र हुई, भरत या राम ? राम या भरत ? सबकी जिव्हा पर यही प्रश्न थे। अपने-अपने आंकलन में व्यस्त निमग्न थे सब के सब।

आज ज्येष्ठ भ्राता को क्या होता जा रहा है ? लक्ष्मण के हृदय में प्रश्न उठा। अपनी ही झोंक में राम बोले चले जा रहे थे, ज्येष्ठतम होने के कारण राजसिंहासन का उत्तराधिकारी मुझे माना गया था वहीं अन्त:पुर के किसी कोने में राज्य-परिषद मे कुमार भरत को राजपद देने की बात दबी पड़ी थी। भरत के हृदय में यद्यपि ऐसा कुछ न था। हां माता कैकेयी के विवाह के समय किया गया अनुबन्ध पिताश्री के हाथो की बेड़ी बन गया था। कुछ रूक कर राम फिर बोले पिताश्री ने तो वनगमन के समय भी पर्याप्त विवश किया था कि उनके आदेश को न मानूं कैसा विष भरा था सरल हृदय माता कैकेयी के मनोमस्तिष्क में मन्थरा ने ? तुम्हें स्मृत हो अनुज ऐसा ठीक ऐसा ही ग्रीष्मातप्त दिवस था। जब हम राजभवन को छोड़ पथरीले कंटीले वन पथ पर सुकोमलांगी सीता के साथ चले थे। लक्ष्मण कुछ उद्विग्न हो गये, बाले और हां शीत-आत्प-वर्ष-तृशा-अनिद्रा-भय क्या नहीं सहा हमने। राम के हृदय की समस्त पीड़ा मानो आज निकल कर शान्त हो जाना चाहती थी। वे बोले चित्रकूट पर भरत आया, समस्त परिजनों -प्रजाजनों के साथ मुझे लौटाने, किन्तु मेरी वचन निष्ठा ने अयोध्या की राजनीति के सारे सीमकरण ही पलट दिये। मेरे न लौटने के निश्चय ने मुझे जो प्रबल जनसमर्थन प्रदान किया। सम्भवत: राज स्वीकार कर लेने पर न मिलता ऐसा प्रबल जनसमर्थन। अपनी माता की त्रुटी का परिष्कार करने के लिये भरत ने चौदह वर्षो तक मेरी चरण पादुकाओं को संहासनारूढ़ कर मेरी ओर से अयोध्या का शासन संचालन किया। निश्चय ही आर्य भरत भ्रातृभक्ति के श्रेष्ठतम उदाहरण हैं। लक्ष्मण की ये बात मानों राम ने नहीं सुनी। उसी धारा में बहते हुए वे बोले कैसा कालचक्र घूमा कि अतुलित बल सम्पदा का स्वामी लंकापति राक्षसेन्द्र रावण सीता को बलात हरण कर ले गया। देखा जाये तो समग्र दोष उसका नहीं था पर हमें तो प्रतिकार लेना था विश्वविजगीशु आर्य संस्कृति के अपमान का। सुग्रीवारिक के सहयोग से लंका पर हमने आक्रमण किया। उस कठिन घड़ी में विभीषण का हमें सहयोग मिला। कूटनीति ही तो थी जिसके फलस्वरूप राक्षस संस्कृति पर आर्य संस्कृति की हमने विजय पताका लहराई। और प्राप्त किया सीता के रूप में अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को। अयोध्या लौटकर अपना राजसिंहासन प्राप्त किया। आज प्रजा मुझे नररूप में ईश्वर की संज्ञा देती है। मेरा न्याय मेरी व्यवस्था मेरे शासन की ख्याति से दिशाऐं गुंजायमान हो रही हैं, राम के स्वर में सहसा गर्वदर्प एवं दम्भ मिश्रित होते चले गये। लक्ष्मण का अन्तर्तम हिल गया राम की इस दर्पोक्ति से और अनायास ही राम के सम्मुख खड़े हो गये। स्वर अप्रयास ही कुछ तीव्र हो गया।

कौन सा न्याय महाबली ? आपने किसे न्याय दिया ? आप अपने ही मुख से सत्य को विवृत कर रहे हैं। आर्य ! अनायास ही मृतप्राय प्रकारण को पुर्नजीवित कर रहे हैं। न्यायप्रिय होने का दम्भ भरने वाले मेरे पितृतुल्य अग्रज ! क्षमा करें परन्तु आपने मर्यादाओं के भीमकाय शैल खण्डों में दबी कुचली मेरी अन्तरात्मा के स्वर को मुखर होने पर विवश कर दिया है। राम उद्विग्न हो गये किन्तु लक्ष्मण जैसे आज रूकना ही नहीं चाहते, कुशल शासन व्यवस्थाओं का श्रेय स्वयं को देना भ्रम मात्र है महीपते। जब तक प्रजा पार्षद आमात्य भृत्य सैन्यबल मिदुर्गादि सप्तांगों का सहयोग समन्वय न हो तब तक कोई भी शासन व्यवस्था उत्तम षासन नहीं कही जा सकती। न्याय के आवरण में राजदण्ड की शक्ति के बल पर जनमत को दबाकर उस उत्तम शासन की संज्ञा देना किस लिये राजन ? आप किसे विभ्रमित करना चाह रहे हैं-मुझे ? प्रजा को ? समय अथवा स्वयं को ? आर्य राजभवन के वैभवों से बाहर आकर सत्यता के नंगे-कठोर धरातल पर चलकर कभी आपने देखा है। राम किन्चित आवेशित से होने लगते हैं किन्तु सौमित्र नहीं रूकते। देखा है किसी दरिद्र की कुटिया में झांककर ? कभी अपनी शासन व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया ? आपके शासन में कोई विशिष्टता परिलक्षित हो तो उसका श्रेय दीजिये, अपने आमात्यों को अपने सेवकों को और अपनी प्रजा को। आज तुम्हें क्या हो गया है अनुज ? व्यवस्था और प्रजा के मध्य न्याय कहां से आ गया ? साकेतपति बोल ही पड़े। लक्ष्मण ने कहा न्याय किसे दिया आपने भूपते ? महाबली बाली को, भाग्यवती सीता को, माता कैकेयी को, शम्बूक को या .... अपने ....

अगले अंक में पढ़ें कहानी 'अन्तर्द्वन्द' का शेष भाग...

यूटयूबर एवं शोधकर्ता प्रवीन मोहन का प्राचीन भारत के गौरव पर व्याख्यान

मिस्र में नहीं बरेली के रामनगर में है सबसे प्राचीन पिरामिड

अतिथि प्रवीन मोहन और ऋचा त्रिपाठी का स्वागत करते सीटीआर के प्रिसिंपल डॉ. एल.एस. मौर्या, सीटी के प्रिसिंपल प्रभाकर गुप्ता व डॉ. अनुज कुमार

- देश और विदेश के मंदिरों की स्थापत्य कला हमारी उन्नत इंजीनियरिंग का प्रणाम
- पत्थरों पर भ्रूण व गर्भावस्था की कलाकृतियां समृद्ध चिकित्सा शास्त्र का पुख्ता सबूत
- हम्पी के विरुपाक्ष मंदिर स्थित 56 संगीतमय खम्बे किसी दूसरे देश में नहीं मिलते

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी और श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में 10 अप्रैल को यूट्यूबर, लेखक एवं शोधकर्ता प्रवीन मोहन ने प्राचीन भारत में उन्नत विज्ञान एवं इंजीनियरिंग पर गेस्ट लेक्चर दिया। उन्होंने इंजीनियरिंग और मेडिकल के विद्यार्थियों को प्राचीन भारत में उन्नत विज्ञान-इंजीनियरिंग और शल्य चिकित्सा की जानकारी दी। कहा कि प्राचीन भारत में विज्ञान बेहद उन्नत था। इंजीनियरिंग और शल्य चिकित्सा का प्रयोग तभी से होता आ रहा है। प्रवीन ने अजंता एलोरा की गुफाओं, पुराणिक काल की लेथ मशीन, सूर्य मन्दिर कोणार्क, मंगलनाथा स्वामी मन्दिर में शेर के मुंह में गेंद, गुजरात में सौ किमी से ज्यादा लम्बी सुरंगों, कर्नाटक में नदी के नीचे नक्कासी, विरुपाक्ष मंदिर हम्पी जो की रामायण काल की किष्किंधा है, स्थित 56 संगीतमय खम्भों के बारे में भी बताया, जिसको तोड़कर अंग्रेज वैज्ञानिकों ने समझने की कोशिश की, परन्तु यह खम्भें अन्दर से खोखले थे, इन सबका उदाहरण देते हुए उन्होंने प्राचीन भारत में उन्नत विज्ञान में इंजीनियरिंग और शल्य चिकित्सा के बारे में समझाया। उन्होंने कंबोडिया स्थित विश्व प्रसिद्ध अंकोरवाट मंदिर का भी जिक्र किया। देश और देश से बाहर फैले पुरातन मंदिरों में पत्थरों पर गर्भ में भ्रूण की अवस्था, बच्चे के जन्म, शल्य चिकित्सा की असंख्य कलाकृतियों का उदाहरण देकर इसे हैरानी वाला बताया। उन्होंने कहा कि चार हजार वर्ष पहले के प्रागैतिहासिक काल की बात करें तो यह आश्चर्य से कम नहीं है कि तब इन कलाकृतियों को उकेरने वालों के पास यह जानकारी कैसे थी। जिसे आज अत्याधुनिक उपकरणों के कारण ही हासिल कर पाना संभव हुआ है। तब भ्रूण की आकृति को किस तरह देखना संभव हुआ। किस तरह ऊर्जा के भंडार सूर्य सहित तारों और पृथ्वी की गति के बारे में जानकारी हासिल हुई। यह सोच कर ही आश्चर्य होता है और अपनी संस्कृति पर गर्व भी कि तब हमारा विज्ञान इतना समृद्ध था। तमाम मंदिर की स्थापत्य कला अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का पुख्ता प्रमाण हैं और यहां बनी कलाकृतियां प्राचीन भारत में आज जैसी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा होने की गवाही देती हैं। आयुर्वेद, चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में भी इसका विस्तार से वर्णन उपलब्ध है। प्रयागराज स्थित नेशनल म्यूजियम में रखी हुई कलाकृतियां भी प्राचीन भारत में हमारी समृद्ध शल्य चिकित्सा को प्रमाणित करती हैं। प्रवीन ने यह भी बताया कि दुनिया में सबसे प्राचीन पिरामिड बरेली के रामनगर क्षेत्र में है न की मिस्र में। व्याख्यान के बाद छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों के मन में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर दिया और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इंजीनियरिंग के ष्टिकोण से भी पर्यटन स्थलों का भ्रमण करें। अपनी परंपराओं को समझें। इन पर विश्वास करें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इनका विश्लेषण करें। इससे पहले एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्या, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार ने सीईटी के शतिक प्रेक्षागृह में और मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एमएस बुटोला ने मेडिकल कालेज आडिटोरियम में पौधा देकर प्रवीन मोहन और ऋचा त्रिपाठी का स्वागत किया। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू डा. क्रांति कुमार और अन्य फैकेल्टी मौजूद रहे।

स्वागत

NEW EMPLOYEE

(Till July 2023)

Dr. Sourabh Gupta
Consultant - Nephrology
D.M.(Nephrology), M.D (Pediatrics)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Pallavi Sinha
Asst. Professor
Md (Radiodiagnosis)
Radio-Diagnosis
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Siddhant Singh
Consultant - Oncology Surgeon
DNB (Surgical Oncology)
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Ruchika Kumar
Asst. Professor
MD (Pediatrics)
Paediatrics
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Kamal Raikuni
Asst. Professor
MS (General Surgery)
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shailesh Kumar Lohani
Asst. Professor
DNB (Anasthesia)
Anaesthesia
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Abhay Deep Singh
Asst. Professor
MS (E.N.T.)
E.N.T.(Tto-Rhino-Laryngology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Archana Prabha
Asst. Professor
Ophthalmology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shivangi Middha
Asst. Professor
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Ashish Maurya
Asst. Professor
Orthopedics
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shiraz Akif Mohd Ziauddin
Asst. Professor
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Jurimoni Gogoi
Asst. Professor
Community Medicine
SRMS IMS, Bareilly

Ankita Biswas
Nursing Tutor
Nursing & Paramedical College
UNNAO

Anshika Kushwaha
Nursing Tutor
Nursing & Paramedical College
UNNAO

Mr. Saurabh Sangal
Asst. Professor
Mechanical Engg.
SRMS CET, Bareilly

Dr. Virender Kumar Mehla
Asso. Professor
Electronic & Comm. Engg.
SRMS CET, Bareilly

NEW EMPLOYEE

(Till July 2023)

MS. Seema Mehla
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
SRMS CET, Bareilly

Ms. Anjali Arora
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
SRMS CET, Bareilly

Dr. Deepanshi
Asst. Professor
MBA
SRMS CET, Bareilly

Dr. Sanjay Kumar
Asst. Professor
Basic Science
SRMS CETR, Bareilly

Dr. Sonal Gupta
Asst. Professor
Basic Science & Engineering
SRMS CETR, Bareilly

PROMOTIONS

Dr. Anil Negi
Professor
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Pawan Kumar
Professor
Radiation Oncology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shipra Tripathi
Professor
Ophthalmology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Surabhi Pandey
Professor
Pathology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Abhishek Katiyar
Asst. Professor
MD (Paediatrics)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Vishwadeep Singh
Professor
Anaesthesia
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Amit Kumar Singh
Associate Professor
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Mohan Singh Deopa
Associate Professor
Microbiology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Deepak Kumar Das
Associate Professor
Physiology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Vikash Deep Goyal
Associate Professor
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Jitendra Nigam
Associate Professor
Radiation Oncology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Era Bhardwaj
Assistant Professor
Pathology
SRMS IMS, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं ...**

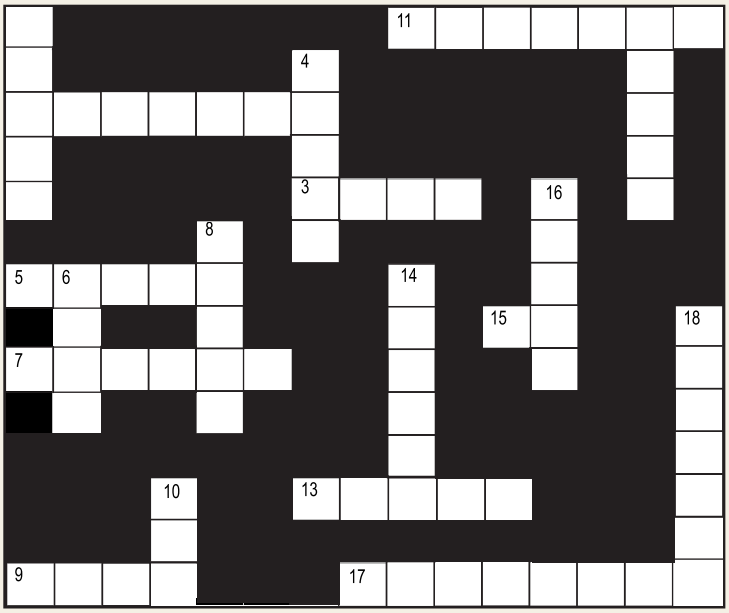

Crosswords No. 29

HORIZONTAL

1. Small appliance which exposes sliced bread to radiant heat
3. Device used for producing light
5. Helps automate repetitive tasks of stirring, whisking and beating
7. Helps to maintain comfortable room temperature
9. Heated container used for baking
11. Helps in sound amplification
13. Used as a light source
15. Telecommunication medium for transmitting moving images and sound
17. Convection oven which stimulates deep frying without submerging food in oil

VERTICAL

2. Appliance used to generate heat for a room or building
4. Tool used for making round holes
6. Helps remove wrinkles and creases from clothes
8. Helps to remove moisture from a load of clothing
10. Machine used for airflow
12. Pot used for boiling water
14. Appliance used to extract juice from fruits
16. Cooking appliance that combines an oven and a cooktop
18. Appliance used to mix, crush, puree or emulsify food

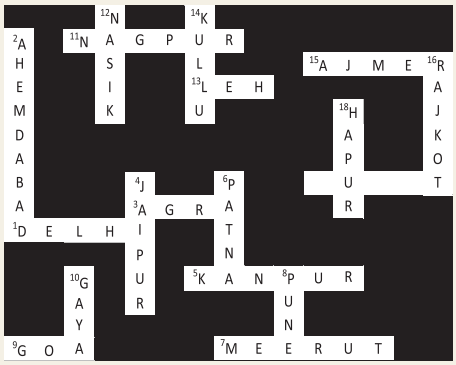

Answer: Crosswords No. 28

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 29

	2		9					5
		3			4			
4			1				2	
	9			3		4		
		4					8	
					1			9
2		1			6		3	
	8			7				1
7			3			2		

1	3	7	4	8	2	6	5	9
8	5	9	6	7	1	3	2	4
6	2	4	5	9	3	7	8	1
2	9	6	1	5	4	8	3	7
3	4	8	2	6	7	1	9	5
7	1	5	9	3	8	4	6	2
9	6	3	7	4	5	2	1	8
4	8	1	3	2	9	5	7	6
5	7	2	8	1	6	9	4	3

Answer: Soduko No. 28

Shri Ram Murti Smarak Institutions

Bareilly | Lucknow | Unnao

SRMS

ADMISSION OPEN 2023-2024

OUR HIGHLIGHTS

- 27 Years of Legacy in Imparting Value Based Professional Education
- Practising Outcome Based Education through Project Based Learning
- World Class Infrastructure with Modern Facilities for Teaching & Research
- Qualified & Experienced Academicians having Industrial Exposure
- 16000+ Alumni serving Global Community
- Consistently Excellent Placement with 100+ Recruiters | Highest Package ₹10 LPA
- Innovation & Incubation Cell with Tinkering Lab
- International Exposure for Research & Development
- World Class Infrastructure for Holistic Development
- 1000 Beds Multi Super Speciality Tertiary Care Hospital & Trauma Centre

₹ 3.5 Crore
SCHOLARSHIP*
Based on Annual Result
Max. ₹ 2,25,000/-
Min. ₹ 20,000/-

ATTRACTIVE ENTRY LEVEL SCHOLARSHIP
Upto ₹ 40,000/-
Applicable only for First Year.

COURSES OFFERED

B.Tech | M.Tech | B.Pharm | M.Pharm | BCA | MCA | BBA | MBA | MBA+PGP
B.Com (Hons.) | MBBS | MD/MS | DM/MCh
Paramedical • Master • Bachelor • Diploma | Nursing • M.Sc • B.Sc • PB B.Sc • GNM • ANM

OUR EDUCATIONAL CAMPUSES

- SRMS College of Engineering & Technology, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering & Technology (Pharmacy), Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering, Technology & Research, Bareilly (U.P.)
- SRMS International Business School, Lucknow (U.P.)
- SRMS Institute of Medical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Nursing, Bareilly (U.P.)
- SRMS Institute of Paramedical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Nursing & Paramedical Sciences, Unnao (U.P.)

* Visit Website for Details

SRMS Riddhima – A Centre of Performing & Fine Arts, Bareilly (U.P.)
Classical Music-Vocal & Instrumental | Classical Dance-Kathak & Bharatnatyam | Theatre | Fine Arts

CAMPUS ADDRESSES

BAREILLY : Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly-Nainital Road, Bareilly-243 202 (U.P.)
UNNAO : 35 Km. on NH-25, Lucknow-Kanpur Highway - 209 859 (U.P.)

ADMISSION HELPLINE 7055999555

admission@srms.ac.in
www.srms.ac.in

Follow us :